भाद्रपद कृष्ण पक्ष-5, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07 , अंक - 110 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
04 अक्टूबर 2023 बुधवार

आज का मौसम
33 अधिकतम
20 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

...वो आखिरी 30 मीटर और 10 सेकेंड

चीन में भारतीय एथलीट पारुल ने रचा इतिहास, जीता गोल्ड

नई दिल्ली , एजेंसी।

कुछ पाने के लिये अतिरिक्त प्रयासों की जरूरत होती है और ज्यादा हौसले की.. यह बात आज भारतीय एथलीट पारूल ने साबित कर दी। चीन के हांगझोऊ में आयोजित 19वें एशियाई खेल में भारत की बेटी पारुल चौधरी ने जो करिश्मा किया वो अदभुत है। उन्होंने गोल्ड मैडल जीतकर पूरे देश को खुश कर दिया है लोग उनके आखिरी 30 मीटर में किये गये प्रयासों से न सिर्फ रोमाचित हैं बल्कि झूम रहे हैं। पारूल ने फिनिश लाइन पार करते ही दोनों हाथ हवा में ऊपर उठाए, उन्हें अपने पर पूरा यकीन था। मानों उन्हें जीत का भरोसा था। तभी तो आखिरी 30 मीटर में वह चेतक की तरह दौड़ीं। यह करीब 10 सेकेंड तो इतिहास बनने का पल था।

ये कहानी रोमांच, जज्बे की है। ये कहानी आखिरी 30 मीटर में कैसे अपना सबकुछ झोंक देने की है। ये कहानी लक्ष्य पर ध्यान लगाने वाली एक ऐसी बेटी का है जिसकी आंखें निशाने पर थी। पैर में तो मानों पंख लग गए थे। उनकी उस रफ्तार को ही बिजली की रफ्तार कहते होंगे। हर सेकेंड के साथ अपने विरोधी को पीछे छोड़ने की जिद नजर आ रही थी। हर सेकेंड के साथ फासला घटता जा रहा था। हर सेकेंड वहां बैठे और टीवी पर चिपके दर्शकों में जोश भर रहा था। पर इस इतिहास बनाने के लिए भारत की बेटी पारुल चौधरी को काफी मेहनत करनी पड़ी। वह इस जिद को पूरी करने लिए अपना सबकुछ झोंक दिया।

रोमांच वाली कमेंट्री

'ये फाइनल स्ट्रेच है। पारुल ने रफ्तार पकड़ी है। वो गोल्ड की तरफ जा रही हैं। वो अपना सबकुछ झोंक चुकी हैं। उनके पास जितनी ताकत है वो झोंक चुकी है और पारुल चौधरी ने सोने पर कब्जा कर लिया है। इसके बाद पारुल ने दोनों हाथ हवा में उठाते हुए जंग जीतने का ऐलान कर दिया। स्टेडियम में बैठे दर्शक तालियां बजा रहे हैं। भारत की इस बेटी की जीत ने पूरा देश झूम उठा।'

आखिरी 30 मीटर का एक्शन

बता दें कि पारुल 5000 मीटर की रेस में पहले तीसरे स्थान पर चल रही थी। पहले तो उन्होंने दूसरे नंबर पर चल रही अपने प्रतिद्वंद्वी को पीछे छोड़ा और फिर वह दूसरे नंबर पर आ गईं। इस दौरान लक्ष्य बमुश्किल 30 मीटर दूर रह गया था। पारुल के आगे जापान की रिरीका हिरोनका भाग रही थीं। वो बड़े आराम से खरगोश वाली स्टाइल में भाग रही थीं। लेकिन इसके बाद तो पारुल ने सबकुछ झोंक दिया। 30 मीटर की दूरी से पारुल ने चेतक वाली रफ्तार पकड़ी। जापान की धावक जो अपनी जीत तय मान चुकी थीं वह पिछड़ती चली गईं। खरगोश की रफ्तार से दौड़ रहीं जापानी धावक को अंतिम 20 मीटर में उन्होंने पीछे छोड़ा और फिर जीतकर ही दम लिया।

राजधानी के गैमन प्रोजेक्ट पर असमंजस, और लटका तो अगली सरकार लेगी फैसला!

जल्दी में सरकार, थोक फैसलों का मूड, रात में आखिरी कैबिनेट बैठक!

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र में विधानसभा चुनाव का एलान और आचार संहिता लागू होने की तलवार लटकने लगी है। इसके चलते मप्र में 'सरकार' इस वक्त जल्दी में हैं, मुख्यमंत्री रोज दौरे कर रहे हैं और इसी तारतम्य में आज रात साढे नौ बजे सीएम हाउस में ही कैबिनेट बैठक बुलाई गई है। माना जा रहा है कि यह शिवराज मंत्रिपरिषद की आखिरी बैठक भी हो सकती है क्योंकि आज मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन हो रहा है और अब चुनाव का ऐलान पांच अक्टूबर के बाद कभी भी हो सकता है।

हालांकि सूत्रों का कहना है कि सरकार के पास अभी कई 'प्रस्ताव और विचार' हैं लेकिन इसे सिरे चढाने के लिये वक्त बहुत कम है। इसमें राजधानी का गैमन प्रोजेक्ट भी शामिल है। जिसमें बीते दस साल से लोग अपने फ्लैट या दुकानें पाने का इंतजार कर रहे हैं यह अभी आधे अधूरे हैं। बताया जाता है कि आज की कैबिनेट बैठक में मंत्री समूह की अनुशंसा के साथ इसका प्रस्ताव लाने की कवायद की गई है लेकिन ऐन वक्त पर

इसकी संभावना कम होने लगी है। यह भी माना जा रहा है कि यदि गैमन इंडिया पर अब फैसला दिसंबर के बाद नई सरकार के दौरान ही होगा। इस प्रोजेक्ट को पूरा करने मुंबई की कंपनी बरबेरी ने प्रस्ताव दिया है। कंपनी एक्सिस बैंक को 250 करोड़ का भुगतान कर 51 फीसदी की हिस्सेदारी चाहती है। पहले यह काम दीपमाला इंफ्रास्ट्रचर्स के पास था।

आज बैठक में 40 से ज्यादा प्रस्ताव

बताया जाता है कि आज कैबिनेट के समक्ष कई मामले लाये जा रहे हैं इनमें भोपाल में कमला पार्क से संत हिरदाराम नगर तक 8 लेन एलिवेटेड कॉरिडोर और जबलपुर में फ्लाई ओवर निर्माण, आधा दर्जन सिंचाई परियोजनाओं समेत नवीन तहसीलों और नगर परिषदों के गठन को मुख्यमंत्री की घोषणा के आधार पर मंजूरी़ल सोशल इंपैक्ट बांड और सड़क अधसंरचना के अलावा राजस्व विभाग के अंतर्गत केंद्र सरकार के कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के लिए जमीन आवंटन, केंद्रीय कृषि तथा कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग को ग्राम नया बस चूसलाई देव हंस का पुरा एवं रतन बसई (तहसील पोरसा, जिला मुरैना) में भूमि आवंटन का मामला लंबित है। वहीं उज्जैन में नवीन तहसील उन्हेल, बालाघाट में लामता, रायसेन में बम्होरी और सुल्तानगंज, मंदसौर में कयामपुर के गठन पर चर्चा कर उसका अनुमोदन किया जा सकता है। औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग द्वारा लाए जाने वाले प्रस्ताव के अंतर्गत भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय की पीएम मित्र योजना अंतर्गत प्रदेश में टेक्सटाइल पार्क की स्थापना के लिए एसपीबी के गठन संबंधित ज्वाइंट वेंचर एग्रीमेंट मेमोरेंडम और आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन के प्रारूप के अनुमोदन के संबंध में चर्चा की जाएगी।

सीधी भर्ती में 35 फीसद आरक्षण

विधानसभा चुनाव से पहले शिवराज सरकार ने महिला आरक्षण में वृद्धि करने का निर्णय लिया है। अब सीधी भर्ती के पदों पर महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। अभी महिला आरक्षण 33 प्रतिशत है। वन विभाग को छोड़कर यह सभी विभागों के पदों पर लागू होगा। प्रदेश में दो करोड़ 62 लाख महिला मतदाता हैं। सीधी भर्ती के सभी पदों में 35 प्रतिशत महिलाओं के लिए आरक्षित करने के निर्णय की अधिसचूना सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी कर दी है।

भारत का कनाड़ा को अल्टीमेटम अमेरिका की अजब प्रतिक्रिया

नई दिल्ली , एजेंसी। भारत और कनाडा के बीच जारी राजनयिक तनाव के बीच मोदी सरकार ने ट्रूडो सरकार से अपने अतिरिक्त डिप्लोमैट्स को वापस बुलाने का अल्टीमेटम तो दे दिया है लेकिन भारत के इस अल्टीमेटम पर दुनिया के सबसे ताकतवर और कनाडा के करीबी सहयोगी देश अमेरिका ने ने इस पर कई अर्थों वाली प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि वह भारत और कनाडा के बीच जारी राजनयिक गतिरोध से अवगत हैं। इस राजनयिक संकट को अमेरिका, भारत और कनाडा पर छोड़ना चाहता है। हालांकि, अमेरिका ने इस बात को एक बार फिर दोहराया है कि कनाडा की ओर से भारत पर लगाया गए आरोप बहुत ही गंभीर हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, 'हम कनाडा के संपर्क में हैं यह बहुत ही महत्वपूर्ण है कि भारत सरकार कनाडाई जांच में सहयोग करे, जिससे अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाया जा सके।'

बॉय बॉय ... तीन शब्दों का इस्तीफा

नई दिल्ली , एजेंसी। नौकरी से इस्तीफा लिखना भी कला ही है, जिसमें हर कर्मचारी उस्ताद नहीं होता। हालांकि, कुछ कर्मचारी इस्थीफे में अपने दिल की बातें लिख डालते हैं, तो कुछ कम शब्दों में ही टाटा बाय-बाय करके चले देते हैं। इस वक्त सोश, मीडिया पर हमें एक 'तीन शब्दों' वाला रेजिग्नेशन लेटर धूम मचा रहा है। हालांकि मामला थोड़ा पुराना है। इसे देखकर लोग बोल रहे हैं कि 'बिंदास कर्मचारियों' के इस्तीफे ऐसे ही होते हैं! इस त्यागपत्र को अब तक का सबसे छोटा इस्तीफा माना जा रहा है। क्योंकि इसमें कर्मचारी ने इधर-उधर की बातें नहीं लिखी हैं। बस ये लिखा है कि वो जा रहा है! जी हां, इस लेटर में लिखा है- 'बाय-बाय सर' लिखा है।

आज का कार्टून

बादल फटने से बाढ़, सेना के 23 जवान बहे

गंगटोक , एजेंसी।

उत्तरी सिक्किम में आज सुबह बड़ा हादसा हुआ, यहां ल्होनक झील के ऊपर अचानक बादल फटने से लाचेन घाटी में तीस्ता नदी में अचानक बाढ़ आ गई। घाटी में कुछ सैन्य प्रतिष्ठान प्रभावित हुए हैं। इस दौरान सेना का 23 जवान लापता है। उनके पानी के बहाव में बहने की आशंका है। वहीं कई लोगों के घर और वाहन कीचड़ में डूब गए हैं। सेना के जवानों का तलाश शुरू कर दी गई है।

भारी बारिश और बाढ़ से सिक्किम के अधिकांश जिलों में तबाही मची है। सड़कें, बांध, पुल सभी को भारी नुकसान हुआ है। त्रिपुरा में भी कल रात से लगातार भारी बारिश जारी है। तिस्ता नदी का जलस्तर एक रात में खतरनाक स्तर पर पहुंचने से हड़कंप मचा हुआ है। रक्षा पीआरओ ने बताया कि चुंगथांग बांध से पानी छोड़े जाने के कारण नीचे की ओर 15-20 फीट की ऊंचाई तक जल स्तर अचानक बढ़ गया। इसके कारण सिंगतम के पास बारदांग में खड़े सेना के वाहन प्रभावित हो रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अचानक बादल फटने से पूरे राज्य में तबाही मच गई है। गंगटोक और पाक्योंग जिलों के सिंगतम और रंगपो शहरों जैसे निचले इलाकों में भारी तबाही मची है। सिक्किम के चुंगथांग में बांध को नुकसान हुआ है, जिसके बाद अचानक पानी भी ओवरफ्लो हो रहा है। तीस्ता नदी में जल स्तर खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है।

आप सांसद सिंह पर ईडी की छापेमारी लालू परिवार को जमानत

नई दिल्ली , एजेंसी।

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह के आवास पर आज सुबह प्रवर्तन निदेशालय ने छापेमारी की है। बताया जा रहा है कि ईडी ने ये छापेमारी दिल्ली की विवादित शराब नीति में घोटाले को लेकर की है। इससे पहले संजय सिंह के करीबियों के यहां भी छापे पड़े थे। शराब घोटाले की चार्जशीट में भी संजय सिंह का नाम था। दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया भी शराब नीति में घोटाले के मामले में गिरफ्तार हुए हैं। बताया जाता है कि सिंह को कल रात महिला सशक्तिकरण पर एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए ताइवान जाना था मगर सरकार ने उन्हें राजनीतिक मंजूरी जारी नहीं की तथा वे उड़ान नहीं भर सके।

लालू परिवार को जमानत

वहीं लैंड फॉर जॉब केस में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव और उनके परिवार को बड़ी राहत मिली है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने लालू यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव को नियमित जमानत दे दी है। लालू, राबड़ी समेत लैंड फॉर जॉब केस के 6 आरोपियों ने जमानत के लिए कोर्ट में अर्जी दी थी। इसे स्वीकार करते हुए कोर्ट ने सभी 6 आरोपियों को जमानत दे दी।

शेयर बजार हुआ धड़ाम, 1.79 लाख करोड़ मार्केट कैप घटा

मुबंई , एजेंसी।

भारतीय शेयर बाजार में आज गिरावट का सिलसिला है और निवेशक सहमे हुए हैं। बाजार खुलने के कुछ देर बाद ही इसमें बड़ी गिरावट देखने को मिली है। शुरुआती कारोबार में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 450 अंक लुढ़क गया, वहीं दूसरी ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी इंडेक्स भी 19,400 के स्तर के नीचे आ गया। सबसे ज्यादा गिरावट महिंद्रा फाइनेंस और एनटीपीसी के शेयरों में आई और ये करीब 4 फीसदी तक टूट गए। बताया जाता है कि आज महज 15 मिनट की ट्रेडिंग में ही सेंसेक्स का बुरा हाल हो गया। सुबह 9.15 बजे पर सेंसेक्स 65,330.65 के लेवल पर खुला था और इंडेक्स 451 अंक फिसलकर 65,061 पर पहुंच गया था।

एक झटके में घट मार्केट कैप

स्टाक मार्केट में शुरुआती कारोबार के दौरान बैंक, फाइनेंस, ऑटोमोबाइल, आईटी, मेटल और एनर्जी स्टॉक्स में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली है। घरेलू सूचकांकों में एकदम से आई इतनी गिरावट के कारण बीएसई पर लिस्टेड टॉप-10 कंपनियों का मार्केट कैप लगभग 1.79 लाख करोड़ रुपये तक कम हो गया। बीते कारोबारी दिन मंगलवार को बीएसई की मार्केट वैल्यू बाजार बंद होने पर 319.21 लाख करोड़ रुपये थी, जो गिरकर 317.42 लाख करोड़ रुपये हो गई।

दर्दनाक हादसे में 8 मौत हुई, एक नन्ही जान बची

वाराणसी , एजेंसी।

एक दर्दनाक सड़क हादसे में सुरही गांव में कार और ट्रक की भिड़ंत में आठ लोगों की मौत हो गई है। सभी मृतकों की पहचान पीलीभीत निवासी के रूप में हुई है। यह लोग वाराणसी दर्शन-पूजन के लिए आए थे और वापस घर लौट रहे थे। तेज रफ्तार अर्टिगा कार आगे चल रहे ट्रक के पीछे जा घुसी थी। इस हादसे में सिर्फ एक चार साल बच्चा बचा है जिसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी मृतक ग्राम मुजफ्फरनगर डाकखाना दूधियाखुर्द थाना पूरनपुर जिला पीलीभीत के रहने वाले हैं। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

पति ने लगाई मदद की गुहार, निजी काउंसलर कर रहे दंपति की काउंसलिंग

पति ने नहीं की आगे पढ़ाई, तो पत्नी ने दी तलाक की चेतावनी!

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

दंपति के बीच झगड़े और तलाक के कई मामले आए दिन सामने आते हैं, लेकिन राजधानी में एक अनोखा मामला सामने आया है। जहां पति के पढ़ाई नहीं करने से नाराज पत्नी ने पति को तलाक की चेतावनी दे दी है। पत्नी ने दो टूक कहा है कि अगर पति पढ़ाई नहीं कर सकता, तो वह भी उसके साथ नहीं रह पाएगी और उसे तलाक चाहिए। हालांकि मामले में निजी काउंसलर की मदद से दंपति की काउंसलिंग की जा रही है, ताकि परिवार टूटने से बचाया जा सके।

दरअसल, दंपति की शादी को करीब दो साल ही हुए हैं। पत्नी जहां ग्रेजुएट है, तो वहीं पति 12वीं पास है। मामले में पत्नी का कहना है कि शादी के वक्त पति से बात हुई थी तो उन्होंने कहा था कि परिस्थितिवश वह आगे पढ़ाई नहीं कर पाए, लेकिन चाहते हैं कि पत्नी पढ़ी-लिखी हो और चाहे तो जॉब भी करे। पति ने तब यह भी कहा था कि वह खुद भी आगे पढ़ने की कोशिश करेगा। पति की यह बात पत्नी को पसंद आई थी। वह यह सोचकर 12वीं पास युवक से शादी के लिए तैयार हो गई थी कि युवक में कुछ कर गुजरने का जज्बा है और पति उसे भी आगे पढ़ाई और करियर में सपोर्ट करेगा।

पति ने जॉब ज्वाइन करने से मना कर दिया

मामले में पत्नी का आरोप है कि शादी के बाद उसके सपने टूटने लगे। शादी के बाद सब बदल गया। पति ने उसे कॉलेज का फॉर्म तो भरने दिया, लेकिन ससुराल में पढ़ना मुश्किल था। उसका एक साल इसी कारण बर्बाद हो गया। साथ ही बच्चे के लिए भी दबाव बनाए जाने लगा। इसी बीच उसे गांव में प्राइवेट स्कूल में जॉब मिल गया। पति ने जॉब ज्वाइन करने से मना कर दिया। जबकि वह जॉब के साथ अब आगे बीएड करना चाहती है।

पति बोला

पत्नी को पढ़ने से नहीं रोका, मुझ पर भी पढ़ाई का दबाव बनाती है

हालांकि मामले में पति ने पत्नी के आरोप का खंडन करते हुए कहा कि पत्नी को पढ़ने से कभी नहीं रोका, लेकिन वह मुझपर भी पढ़ाई करने का दबाव बनाती थी। उसे गांव में रहने से भी दिक्कत थी। यही वजह थी कि आए दिन विवाद होने लगे। पत्नी गांव में रहना नहीं चाहती इसलिए वह तलाक की जिद किए हुए है। निजी काउंसलर के पास पहुंचे इस मामले में दंपति की काउंसलिंग की जा रही है। ताकि परिवार को टूटने से बचाया जा सके।

शताब्दी समेत एक दर्जन ट्रेनों के समय में मामूली बदलाव

एक अक्टूबर से रेलवे ने प्रभावी की नई समय सारणी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नई दिल्ली से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के बीच चलने वाली शताब्दी एक्सप्रेस समेत एक दर्जलन ट्रेनों के समय में मामूली बदलाव कर दिया है, जो एक अक्टूबर से लागू हो चुका है। ट्रेन

12001 रानी कमलापति-नई दिल्ली शताब्दी एक्सप्रेस पूर्व समय दोपहर 3.15 बजे के स्थान पर 3.10 बजे रानी कमलापति से रवाना होगी। ट्रेन 12062 जबलपुर-रानी कमलापति जन शताब्दी एक्सप्रेस पूर्व समय सुबह 11 के स्थान पर 11.15 बजे रानी कमलापति स्टेशन पर पहुंचेगी। ट्रेन 06631 भोपाल-बीना मेमू स्पेशल पूर्व समय सुबह 10.50 बजे के स्थान पर 10.45 बजे बीना स्टेशन पर पहुंचेगी।

इन ट्रेनों के समय में भी किया मामूली बदलाव

- ट्रेन 12161 एलटीटी-आगरा कैंट लश्कर एक्सप्रेस पूर्व समय सुबह 5.45 बजे के स्थान पर 5.50 बजे रानी कमलापति स्टेशन से रवाना होगी।
- ट्रेन 12107 एलटीटी-सीतापुर एक्सप्रेस पूर्व समय सुबह 5.40 बजे के स्थान पर 6 बजे भोपाल स्टेशन से रवाना होगी।
- ट्रेन 12173 एलटीटी-प्रतापगढ़ एक्सप्रेस पूर्व समय सुबह 5.40 बजे के स्थान पर 6 बजे भोपाल स्टेशन से रवाना होगी।
- ट्रेन 22187 रानी कमलापति-अधारताल इंटरसिटी एक्सप्रेस पूर्व समय सुबह 5.10 बजे के स्थान पर 5.15 बजे रानी कमलापति स्टेशन से रवाना होगी।
- ट्रेन 22538 एलटीटी-गोरखपुर कुशीनगर एक्सप्रेस पूर्व समय 3 बजे के स्थान पर 2.30 बजे भोपाल स्टेशन से रवाना होगी।
- ट्रेन 11057 सीएसएमटी-अमृतसर एक्सप्रेस पूर्व समय दोपहर 3.35 बजे के स्थान पर 3.30 बजे भोपाल स्टेशन से रवाना होगी।
- ट्रेन 19342 बीना-नागदा एक्सप्रेस पूर्व समय सुबह 6.50 बजे के स्थान पर 7.20 बजे बीना स्टेशन से रवाना होगी।
- ट्रेन 11604 बीना-कोटा एक्सप्रेस पूर्व समय सुबह 10.40 बजे के स्थान पर 11 बजे बीना स्टेशन से रवाना होगी।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना

जिलों के प्रदर्शन के आधार पर तैयार होगी रैंकिंग और स्कोरकार्ड

महिला एवं बाल विकास विभाग कर रहा तैयारी, जिलों को किया जाएगा पुरस्कृत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

महिला एवं बाल विकास विभाग अब बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत जिलों के प्रदर्शन के आधार पर उनकी रैंकिंग करेगा। इसमें बेहतर प्रदर्शन करने वाले जिलों को प्रोत्साहित, पुरस्कृत किया जाएगा। इसके लिए महिला एवं बाल विकास विभाग तैयारी कर रहा है।

जानकारी के अनुसार, जो रैंकिंग महिला एवं बाल विकास विभाग करेगा, उसके अनुसार जिले के स्कोरकार्ड तैयार किए जाएंगे। इसमें महिलाओं के कल्याण को बढ़ावा देने की गई प्रगति का आंकलन किया जाएगा। स्कोर कार्ड मिशन शक्ति प्रबंधन सूचना प्रणाली से निकाले गए आंक?ों के आधार पर तैयार किया जाएगा। इसमें प्रक्रिया संकेतक और परिणाम संकेतक के अलग-अलग खंड शामिल होंगे।

मंत्रालय वार्षिक जिला रैंकिंग जारी करेगा-

प्रत्येक जिले में प्रदर्शन का मूल्यांकन करने में यह महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। जिला स्कोर कार्ड के आधार पर मंत्रालय वार्षिक जिला रैंकिंग जारी करेगा। इसकी निगरानी के लिए एक समिति महिला बाल विकास सचिव की अध्यक्षता में गठित की जाएगी। अच्छी रैंकिंग पाने वाले जिलों को पुरस्कृत किया जाएगा। अतिरिक्त बजट भी उन्हें आवंटित किया जा सकता है।

2015 में हुई थी योजना शुरु

सरकार ने वर्ष 2015 में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना शुरु की थी। इसका उद्देश्य स्त्री-पुरुष लिंग अनुपात को बढ़ावा देना और लड़कियों को उनके पूरे जीवन चक्र में सशक्त बनाना है। इस योजना के शुरु होंने के समय देश में लिंगानुपात 918 था और योजना शुरु होंने के बाद यह बढ़कर 934 पर आ गया है। लेकिन अभी भी विश्व स्वास्थ्य संगठन के अंतरराष्ट्रीकृय मानक 952 से यह कम है।

संत कॉलेज में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर स्पेशन सेशन

हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा कंप्यूटर साइंस विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एप्लीकेबिलिटी ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस इन बिजनेस एंड गवर्नेंस सीनेरियोस पर विशेष सत्र का आयोजन किया गया।

मुख्य वक्ता अमित गुप्ता ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के आधारभूत तत्वों को बताया। उन्होंने मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, डाटा साइंस, डाटा एनालिटिक्स, पाइथन, एसपीएसएस, बिजनेस एंड कॉर्पोरेट स्ट्रैटजी ए गवर्मेंट सिस्टम, सर्च इंजन ए क्वालिटी कन्ट्रोल ए साइबर सिक्योरिटी ए ई .कॉमर्स पर बात की। गुप्ता ने कहा कि जीवन में विचार प्रकिया स्पष्ट रखे। डाटा का उपयोग कर आप सूचना प्राप्त करते है। शिक्षा वह साधन है जो आपको आत्मविश्वास प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाता है।

प्राचार्य डॉ डालिमा पारवानी ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एक महत्वपूर्ण विषय है ए सभी को इसकी उपयोगिता की जानकारी होना आवश्यक है। संस्था के निदेशक हीरो ज्ञानचंदानी ने संस्थागत परिचय दिया। संत हिरदारामजी के शिक्षा औश्र स्वास्थ्य के लिए कार्यों को रखा। कार्यक्रम में प्लेसमेंट सेल के सदस्य एवं छात्राएं शामिल हुईं।

देश को पूर्व सैनिकों की जरूरत है: श्रीवास्तव

मध्यप्रदेश सैनिक प्रकोष्ठ की बैठक हुई

हिरदाराम नगर। नगर ब्लॉक के वार्ड-6 लालघाटी में मध्यप्रदेश सैनिक प्रकोष्ठ की बैठक आयोजित हुई जिसमें लालबहादुर शास्त्री एवं महात्मा गाँधी पर जनरल श्याम शंकर श्रीवास्तव द्वारा बनायी डाक्यूमेंट्री दिखायी गयी। पूर्व सैनिकों ने देश के लिए सक्रियता का संकल्प लिया। कार्यक्रम में सेना के एक्स जनरल श्याम शंकर श्रीवास्तव ने कहा कि इस समय प्रदेश में फूट डालो और शासन करो की नीति चल रही है, आज प्रदेश की फिर भूपू सैनिकों की आवश्यकता आन पड़ी है।

इस अवसर पर ब्लॉक प्रेसिडेंट आनंद सबधाणी ने कहा कि बाहरी दुश्मनों से तो सेना लड़ेगी, लेकिन घर के दुश्मनों से आपको ही लड़ना होगा। कार्यक्रम में एक्स विंग कमांडर अरुण पाण्डे ने कहा बापू की जयंती पर हम ऐसे राष्ट्र के निर्माण का संकल्प लें, जो स्वच्छ और स्वस्थ भारत के निर्माण को प्रतिबद्ध हो। यही बापू को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। एक्स मेजर तेजासिंह सोडी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

धरना प्रदर्शन..

अपनी मांगों को लेकर आयुर्वेद डॉक्टरों ने पंड़ित खुशीलाल महाविद्यालय में किया धरना प्रदर्शन ।

मेट्रो एंकर

49 करोड़ से चौपड़ा कलां में बनेगा, भूमिपूजन हुआ

दो दिनों में हुजूर को मिला तीसरा फ्लाईओवर

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सोमवार को हुजुर विधायक रामेश्वर शर्मा ने 100 करोड़ से अधिक लागत के कार्यों का भूमिपूजन किया था, जिसमें तूमड़ा में बनने वाले दो फ्लाई ओवर शामिल थे। मंगलवार को 49 करोड़ रूपये के चौपड़ा कलां में बनने वाले रेलवे ओव्हर ब्रिज का भूमिपूजन किया। विधायक शर्मा ने अरेड़ी क्रेशर बस्ती में उप स्वास्थ्य केन्द्र का भी भूमिपूजन किया।

भूमिपूजन कार्यक्रम में विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि विकास कार्यों के चलते अब लोग ग्रामीण क्षेत्रों में प्लॉट खरीदने लगे हैं। आज चाहे गांव हो या शहर, सड़क, पानी, बिजली हो या आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर हर ओर हुजूर विधानसभा क्षेत्र में तरक्की हो रही है। उन्होंने कहा कि हम पीने के पानी की भी स्थाई व्यवस्था कर रहे हैं। दिसंबर के बाद बिजली के स्थाई कनेक्शन करवाकर लाइटें भी लगवा दी जाएंगी। फिर हमारा चौपड़ा कलां गांव अपने सौंदर्य से पहचाना जाएगा।

ब्रिज की विशेषताएं

- **चोपड़ाकलां** का पहला आरओबी है, जिससे क्षेत्र में रोजगार व व्यापार के अवसर पैदा होंगे।
- **49.28** करोड़ की राशि से ओव्हर ब्रिज का निर्माण होगा।
- **चौपड़ा** कलां रेलवे क्रासिंग पर निर्मित होगा।
- **रेलवे** ओव्हर ब्रिज की लंबाई 1307.2 मीटर होगी।

विक्रम को याद कर भावुक हुए

फ्लाईओवर भूमिपूजन में विधायक शर्मा चौपड़ा कलां के रहवासी सामाजिक कार्यकर्ता विक्रम मीणा को याद कर भावुक हो गए। उन्होंने घोषणा की चौपड़ा कलां फ्लाईओवर विक्रम मीणा के नाम से जाना जाएगा।

11 महीनों में बनेगा ब्रिज

विधायक शर्मा ने कहा कि 11 महीने के अंदर ही यह पुल तैयार हो जाएगा। इस पर लाइटें भी लगाई जाएगी। ब्रिज के साथ-साथ चौपड़ाकलां में भी लाइटें लगवा देंगे। जब पुल का उद्घाटन करने आंएगे तब चौपड़ा की स्ट्रीट लाइटों का भी उद्घाटन करेंगे।

पर्यटन स्थल बन सकता है बेहटा का हरि लोक मंदिर

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

शहर में पर्यटन स्थलों की संभावनाएं खोजने वाली सरकारी एजेंसियों के लिए संतनगर का बेहटा क्षेत्र अच्छा स्पॉट हो सकता है। यहां बड़े तालाब से लगा हरिलोक सुखधाम लक्ष्मी नारायण मंदिर पर्यटन की दृष्टि से प्रमुख स्थान है। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर इस मंदिर प्रांगण में भगवानविष्णु के 10 अवतार की प्रतिमाएं स्थापित हैं। आसपास हरियाली से सराबोर यहां का पूरा क्षेत्र बड़े तालाब के किनारे होने से एक अलग पहचान बनाने वाला है।

हरिलोक सुखधाम मंदिर के संस्थापक रिटायर्ड इंजीनियर लोकूमल आसवानी ने बताया कि मंदिर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों से चर्चा की जा चुकी है। जनप्रतिनिधियों ने आश्वासन दिलाया है कि जल्द ही वे अधिकारियों के साथ मौके का दौरा करके इस पूरे इलाके को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए उन्हें निर्देशित करेंगे।

भोपाल गैस कांड के लिए जिम्मेदार है कंपनी, कारखाने से रिसाव के कारण गई थी हजारों जानें

विदेशी कंपनी की दलील भोपाल कोर्ट को सुनवाई का अधिकार नहीं

- कोर्ट ने तय की 6 अक्टूबर को फैसले की तारीख
- अगली सुनवाई 25 नवंबर को होगी
- 36 वर्ष में पहली बार विदेशी कंपनी ने भोपाल कोर्ट में दी उपस्थिति

भोपाल, दोपहर मेट्रो

जिस विदेशी कंपनी के कारखाने से जहरीली गैस रिसने के बाद हजारों भोपाल वासियों की जान गई थी उस कंपनी ने भोपाल के कोर्ट में अजीब दलील दी है। कंपनी ने कहा है कि वह विदेशी कंपनी है इसलिए उसके मामले की सुनवाई का भोपाल कोर्ट को कोई अधिकार ही नहीं है। रिसाव के लिए जिम्मेदार विदेशी कंपनी के इस तर्क की निंदा हो रही है हालांकि कोर्ट ने कंपनी के उक्त तर्क पर अभी कोई फैसला नहीं दिया है, बल्कि 6 अक्टूबर की तारीख तय की है। जिसमें कोर्ट तय करेगा कि उसे सुनवाई का अधिकार है या नहीं। हालांकि जिम्मेदार विदेशी कंपनी को कोर्ट तक लाने में सफल सीबीआई और भोपाल ग्रुप फार इन्फार्मेशन एंड एक्शन के प्रतिनिधियों ने उक्त दलीलों पर अपना पक्ष रखा है और कहा कि जब त्रासदी भोपाल में हुई तो यहीं सुनवाई नहीं होनी चाहिए।

असल में भोपाल गैस त्रासदी में जिम्मेदार कंपनी पर दर्ज अपराधिक प्रकरण से जुड़े मामले में मंगलवार को न्यायाधीश विधान माहेश्वरी की कोर्ट में सुनवाई हुई। कंपनी की ओर से उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता रविंद्र श्रीवास्तव और भोपाल के वरिष्ठ अधिवक्ता संदीप गुप्ता उपस्थित ने दलीलें पेश की। जिसमें कहा कि द-डाउ केमिकल कंपनी अमेरिका की कंपनी है इसलिए भोपाल न्यायालय को कार्रवाई करने का क्षेत्राधिकार नहीं है।

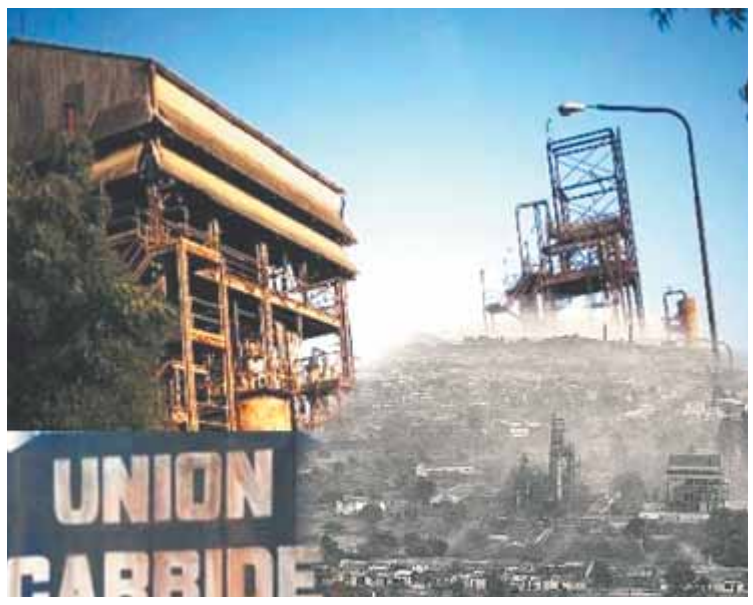

2-3 दिसंबर 1984 को हुआ था हादसा

भोपाल गैस त्रासदी 2-3 दिसंबर 1984 की रात को जेपी नगर स्थित यूनियन कार्बाइड कारखाने से जहरीली गैस मिथाइल आइसोसाइनेट का रिसाव होने के कारण हुई थी। जिसमें हजारों लोग मारे गए थे ओर लाखों लोग प्रभावित हुए थे। इसके प्रभावित आज भी मौजूद है और कई तरह की गंभीर बीमारियों का शिकार है। उस समय यह विश्व की भीषणतम औद्योगिक त्रासदी में से एक थी। त्रासदी के बाद उक्त घटना को लेकर यूनियन काबाईड पर आपराधिक प्रकरण 304-ए के अंतर्गत दर्ज किया था। लेकिन उक्त कंपनी के प्रतिनिधि या उसकी ओर से कोई भी अधिवक्ता उपस्थित नहीं हुए थे। तब न्यायालय ने उसे फरार घोषित किया था।

सीबीआई और भोपाल ग्रुप फार इन्फार्मेशन एंड एक्शन व गैस पीड़ित संगठनों की ओर से एक आवेदन प्रस्तुत किया गया कि यूनियन कार्बाइड यूएस को द-डाउ केमिकल कंपनी ने खरीद लिया है इसीलिए प्रकरण में उसे आरोपी बनाया जाए। उक्त आवेदन पर कोर्ट ने कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी किया था।

भोपाल गैस त्रासदी में कब क्या हुआ

उल्लेखनीय है कि 2-3 दिसंबर 1984 में हुआ हादसा था। जिसमें यूनियन काबाईड के जेपी नगर कारखाने से हुआ था मिथाइल आइसोसाइनेट गैस का रिसाव होने के कारण कई लोग मारे गए थे। 1987 में सीबीआइ ने कंपनी के खिलाफ अपराध दर्ज किया था। 1992 में कंपनी को फरार घोषित किया था, क्योंकि कंपनी की ओर से कोई उपस्थित नहीं हो रहे थे। फरवरी 2001 में यूनियन कार्बाइड को द डाउ केमिकल ने खरीद लिया था। 2004 में भोपाल ग्रुप फार इन्फार्मेशन एंड एक्शन के प्रतिनिधियों ने कोर्ट में याचिका लगाकर खरीदार कंपनी को आरोपित बनाने की मांग रखी थी। 2014 से कंपनी के खिलाफ कई समन जारी हो चुके थे। जिसके बाद मंगलवार को कंपनी की ओर से 36 वर्षों में पहली बार दलीलें पेश की गई।

फाइल फोटो

दिनदहाड़े मकान का ताला तोड़कर नगदी समेत साढ़े तीन लाख रुपए के जेवरात चोरी

कोहेफिजा स्थित दुर्गा नगर लालघाटी में अज्ञात नकबजनों ने की वारदात

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोहेफिजा थाना क्षेत्र स्थित दुर्गा नगर लालघाटी में कल दिनदहाड़े अज्ञात बदमाशों ने स्वास्थ्यकर्मी के सूने मकान का ताला तोड़कर 1 हजार रुपए की नगदी समेत साढ़े तीन लाख रुपए के जेवरात पार कर दिए। घटना सुबह साढ़े आठ बजे से ढाई बजे के बीच की बताई जा रही है। पुलिस ने नकबजनी का प्रकरण दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है।

एसआई अबुबकर सिद्धिकी ने बताया कि अक्षिता मिश्रा पति अति मिश्रा (26) दुर्गा नगर लालघाटी में किराए का कमरा लेकर रहती है और स्टाफ नर्स की नौकरी करती हैं। उनके पति निजी अस्पताल में नौकरी करते हैं। अक्षिता ने पुलिस को बताया कि मंगलवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे के आसपास वह ड्यूटी चली गई थी, जबकि पति भी ड्यूटी चले गए थे। दोपहर करीब ढाई बजे के आसपास वह घर लौटी तो कमरे के गेट पर लगा ताला टूटा मिला। वह अंदर पहुंची तो गोदरेज की अलमारी खुली हुई थी। अलमारी में रखी 1 हजार रुपए की नगदी और इस्तेमाली जेवरात नहीं थे। उन्होंने घटना की जानकारी अपने पति को दी और थाने पहुंचकर शिकायत की।

पर्स में रखी मिली चाबी

एसआई सिद्धिकी ने बताया कि अक्षिता और अति से पूछताछ की गई तो उन्होंने बताया कि एक महीने पहले ही उन्होंने गोदरेज की अलमारी खरीदी थी। अलमारी की चाबी कमरे में रखे एक पर्स के अंदर रखकर दंतपी जाते थे। कल सुबह ही अति ने अलमारी खोली थी और उसमें से शर्ट निकालकर पहनी थी। पुलिस ने घटनास्थल का एफएसएल की टीम से निरीक्षण कराया है। एफएसएल की टीम ने घटनास्थल से कुछ फिंगर प्रिंट भी लिए है। अब पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाल रही है।

5 लाख सीटों को भरने 8वें सीएलसी राउंड के भरोसे कॉलेज

भोपाल। प्रदेश के कॉलेज में सत्र 2023-24 में प्रवेश के लिए उच्च शिक्षा विभाग अब तक एक मुख्य राउंड और 7 सीएलसी राउंड चला चुका है, लेकिन इसके बाद भी कॉलेजों में यूजी- पीजी की करीब 5 लाख सीटें खाली रह गई हैं। अब तक लगभग 5.82 लाख एडमिशन ही हुए हैं। ऐसे में अब विभाग ने 8वां सीएलसी राउंड चलाने का निर्णय लिया है। यह राउंड बुधवार से शुरू होगा। 9 अक्टूबर को सीटों का आवंटन किया जाएगा। उच्च शिक्षा विभाग ने इसकी समय सारणी भी जारी कर दी है। उल्लेखनीय है कि सूबे के 1373 कॉलेजों की यूजी- पीजी की करीब 10 लाख 94 हजार सीटें हैं। शासन कॉलेजों में प्रवेश बढाने के लिए आधा दर्जन से ज्यादा योजनाएं चला रहा है। इसमें सबसे ज्यादा योजनाएं छात्रों के लिए हैं। हालांकि यूजी और पीजी में भले ही 5 लाख सीटें भले ही खाली रह गई हों, लेकिन पिछले साल की तुलना में इस साल करीब 27 हजार अधिक एडमिशन हुए हैं। पिछले सत्र 2022-23 में यूजी पीजी में लगभग 5.55 लाख एडमिशन हुए थे।

कॉलेज प्रवेश : आज से शुरू होंगे पंजीयन, 9 अक्टूबर को आवंटित होंगी सीटें

शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ेगी तो समाज का समर्थन बढ़ेगा: मंत्री परमार

लोक शिक्षण संचालनालय के नवनिर्मित सभागार समागम का किया उद्घाटन

भोपाल। शिक्षा, श्रेष्ठ नागरिक निर्माण का प्रकल्प है। शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ेगी तो समाज का समर्थन बढ़ेगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्य को पूरा करने के लिए राज्य सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का बड़ा तंत्र खड़ा कर रही है। सीएम राइज स्कूल विश्वस्तरीय एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का विशाल केंद्र बनेंगे। समृद्ध शिक्षा देकर ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षण के परिदृश्य एवं शासकीय शिक्षण व्यवस्था के लिए बनी अवधारणा में परिवर्तन लाने की आवश्यकता है। यह बात स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) एवं सामान्य प्रशासन राज्य मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कही।

लोक शिक्षण संचालनालय के नवनिर्मित सभागार कक्ष समागम का मंत्री इन्दर सिंह परमार ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर राज्य मंत्री परमार ने खेलो एमपी में पदक विजेता शासकीय स्कूल की प्रतिभागी छात्राओं संतोषी साहू एवं दिव्या मोरे को सम्मानित किया, दोनों छात्राओं को 11 हजार रुपए राशि प्रदान की गई। उल्लेखनीय है कि लघु उद्योग निगम द्वारा 2 करोड़ 74 लाख रुपए की लागत से सभागार निर्मित हुआ है।

एमबीबीएस की छात्रा ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल। छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित शिव नगर में एमबीबीएस सेकंड ईयर की छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। मामला नव विवाहिता से जुड़ा होने के कारण मर्ग जांच एसीपी निशातपुरा द्वारा की जा रही है। पुलिस के अनुसार छाया पटेल पति पुष्पेंद्र पटेल (27) मूलतः बीना की रहने वाली थी। दिसंबर 2019 में उसकी शादी शिव नगर निवासी पुष्पेंद्र पटेल से हुई थी। छाया इंदौर में एमबीबीएस सेकंड ईयर की पढ़ाई कर रही थी, जबकि पुष्पेंद्र भी इंदौर में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। अगस्त में दंपती भोपाल आए थे और शिव नगर में रह रहे थे। कल दोपहर पुष्पेंद्र किसी काम से कोर्ट गया था। घर में छाया और जेठानी ज्योति और सास थी। दोपहर करीब तीन बजे के आसपास ज्योति ने छाया को फांसी के फंदे पर लटका देखा था। इसके बाद उसे फंदे से उतारकर निजी अस्पताल ले गई। निजी अस्पताल में डॉक्टर ने चेक करने के बाद छाया को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी बीना में रहने वाले छाया के परिजन को दे दी गई है।

बाइक की टक्कर से घायल बुजुर्ग की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल। बागसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित हबीबगंज नाका के पास बेटे के साथ सड़क पार कर रहे बुजुर्ग को बाइक सवार युवक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में बुजुर्ग को गंभीर चोट आई?थी। उन्हें इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हमीदिया अस्पताल में इलाज के दौरान कल मंगलवार शाम उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस आरोपी बाइक चालक पर मामला दर्ज कर कार्रवाई कर रही है। पुलिस के अनुसार सलमान खान पिता हबीब खान (23) गली नंबर-2, जेल रोड रहता हैं और पढ़ाई करता है। उसके पिता हबीब खान मोटर साईकिल मैकेनिक हैं और एवन शॉप नाम से हबीबगंज नाका पर दुकान का संचालन करते थे। सलमान खान ने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया था कि 28 सितंबर की शाम साढ़े 7 बजे वह दुकान पहुंचा था। दुकान बंद करने के बाद पिता के साथ सड़क की दूसरी ओर खड़ी गाड़ी की तरफ पिता पुत्र पैदल जा रहे थे, तभी आरआरएल तिराहा की तरफ से आ रहे बाइक सवार ने उसके पिता हबीब खान को पीछे से टक्कर मार दी?थी। टक्कर लगने से पिता हबीब खान सड़क पर गिर गए थे। टक्कर मारने वाला बाइक सवार भी सड़क पर गिरा था। इस हादसे में हबीब खान को पैर, हाथ, कमर व कन्धे में गंभीर चोट आई थी। सलमान पिता को एम्स अस्पताल लेकर पहुंचा था, वहां से हमीदिया अस्पताल ले जाकर इलाज करा रहा था। मंगलवार शाम इलाज के दौरान हबीब खान की मौत हो गई। सलमान खान की शिकायत पर पूर्व में पुलिस एक्सीडेंट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर चुकी थी। अब हबीब की मौत के बाद धाराएं बढ़ाई जा रही है।

रिटायर्ड बैंककर्मी के सूने मकान का ताला तोड़कर नगदी और जेवरात चुराए

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल। बैरागढ़ थाना क्षेत्र सित सैनिक कालोनी, नुक्कड़ वाला माता मंदिर के पास रहने वाले रिटायर्ड बैंककर्मी के सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात बदमाश नगदी, तीन मोबाइल, कैमरा समेत अन्य सामान चुराकर ले गए। बदमाश उनके घर से जूते भी चुराकर ले गए हैं। घटना के समय रिटायर्ड बैंककर्मी परिवार के साथ बाहर गए हुए थे। पड़ोसियों ने उन्हें घर का ताला टूटने की सूचना दी थी।

पुलिस के अनुसार दिलीप घोस (65) नुक्कड़ वाला माता मंदिर, सैनिक कॉलोनी बैरागढ़ में रहते हैं। वह बैंक से रिटायर्ड हैं। गत 20 सितंबर को वह परिवार के साथ घर पर ताला लगाकर बाहर गए थे। 25 सितंबर को उनके पड़ोसी ने उन्हें मोबाइल पर जानकारी दी कि मकान के मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ है। वे 2 अक्टूबर को भोपाल पहुंचे और तीन अक्टूबर को थाने पहुंचकर शिकायत की। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

महिला का पीछा कर युवक ने की अश्लील हरकत

भोपाल। गोविंदपुरा पुलिस ने एक महिला की रिपोर्ट पर युवक के खिलाफ पीछा कर अश्लील हरकत करने का मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाली एक महिला होटल में काम करती है। कुछ समय पहले उसके साथ काम करने वाले राजा कटारे से उसकी पहचान थी। बाद में राजा महिला का पीछा कर उसे परेशान करने लगा। महिला ने कई बार उसे समझाने का प्रयास किया, लेकिन उसकी हरकतें बंद नहीं हुई। सोमवार सुबह करीब दस बजे महिला काम पर जा रही थी, तभी रास्ते में राजा पीछा करते हुए उसके पास पहुंचा और बाइक पर बैठने का बोलने लगा। परेशान होकर महिला ने थाने जाकर उसके खिलाफ केस दर्ज करवा दिया।

मेट्रो एंकर राजधानी के देहात इलाके ईंटखेड़ी का मामला...

नहीं लग पा रही चोरी पर रोक

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी के देहात इलाके ईंटखेड़ी में चोरी और नकबजनी की घटनाओं पर रोक नहीं लग पा रही है। यहां स्थित एक सूने मकान का ताला तोड़कर चोर 2 लाख रुपए नकदी, 2 किलोग्राम चांदी समेत सोने के के जेवरात समेत लाखों रुपए का सामान चोरी कर ले गए। वारदात के समय पूरा परिवार शहर से बाहर गया हुआ था। तीन दिन पहले भी इसी इलाके में लाखों रुपये की चोरी हुई थी, लेकिन पुलिस उसका खुलासा नहीं कर पाई है।

जानकारी के अनुसार बारिस खान पुत्र चमन खान, ग्राम गोया ईंटखेड़ी में रहते हैं। बीती 29 सितंबर को उनका पूरा परिवार एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए मथुरा चला गया था। अगले दिन उनके सूने मकान के ताले टूटे मिले तो पड़ोसी और रिश्तेदारों ने सूचना दी। सूचना मिलते ही बारिस खान भोपाल पहुंचे तो घर का ताला टूटा मिला और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। चैक करने पर अलमारी में रखे 2 लाख नकदी, एक मोबाइल फोन, एक सोने का हार, एक सोने की अंगूठी, दो सोने की चैन और करीब दो किलोग्राम चांदी के जेवरात गायब थे। बारिस खान ने इस मामले की शिकायत ईंटखेड़ी पुलिस से की है।

महिला के घर हुई वारदात का सुराग नहीं

इसके तीन दिन पहले ग्राम बीनापुर ईंटखेड़ी में रहने वाली महिला श्यामबाई अहिरवार के सूने मकान से चोर सैमसंग कंपनी की एलईडी टीवी, गैस सिलेंडर, अलमारी के लाकर में रखी सोने की 4 चूड़ियां, सोने का हार, मंगलसूत्र, सोने की 2 अंगूठियां, सोने की चैन, सोने की झुमकी, कान के टाप्स, चांदी की पायजेब, बिछुड़ी, पीतल के बर्तन गघरा, परात समेत अन्य सामान और 40 हजार रुपए नकदी चोरी कर ले गए थे। वारदात के समय श्यामबाई और उनका परिवार खेत बन मकान पर मौजूद था, जबकि गांव वाले मकान पर ताला लगा हुआ था। इस घटना को अंजाम देने वाले बदमाश का अभी तक कोई सुराग नहीं लग पाया है।

ज्योतिष परामर्श

ज्योतिष शास्त्र में जन्मकुंडली किसी व्यक्ति के जीवन के सटीक आंकलन का दस्तावेज है। जीवन में सितारों और ग्रहों की चाल के विश्लेषण के माध्यम से करियर, शिक्षा, प्रेम, जीवन के बारे में सटीक अनुमान जानने व सही निर्णय लेने में सक्षमता के लिए संपर्क करें

श्रुति रावत
ज्योतिषाचार्य व कुंडली विशेषज्ञ
व्हाट्सएप नं.
7869267010
कॉलिंग नंबर
7415497010

shrutirawat16@gmail.com

परामर्श का समय : दोपहर 3 से 5 बजे तक, शुल्क : 501 रुपए

बहुत अच्छा है, पर वह विचारों से आता है. इसलिए अपने मस्तिष्क को उच्च विचारों और आदर्शों से भर लो, उन्हीं से महान कार्यों का जन्म होगा. - *स्वामी विवेकानंद*

संपादकीय

जाति, गणना और चुनाव

लंबे समय से सियासी जगत में जाति आधारित जनगणना को लेकर टकराव का दौर है। विपक्षी दल इसकी मांग तेजी से उठाते रहे हैं और सबसे पहले बिहार ने इसे नया मोड़ दे दिया है। उसने अपने स्तर पर जनगणना कराकर नतीजे भी जारी कर दिये हैं। जबकि लंबे समय से इस तरह के नतीजे जाहिर करने से परहेज ही रखा जा रहा था। अब इस मामले को यू भी देखा जा सकता है कि चाहे सत्तर के दशक में आपातकाल के खिलाफ जेपी आंदोलन हो या नब्बे के दशक में शुरू हुई मंडल राजनीति रही हो, बिहार ने दोनों मौकों पर बदलाव की अगुआई की थी। अब जब पिछले करीब एक दशक से देश में कथित सेकुलर राजनीति को विस्थापित करती हुई राष्ट्रवादी राजनीति हावी दिख रही थी, जाति आधारित गणना के नतीजों के रूप में बिहार ने ऐसा धमाका किया है, जिसके अंदर चुनावी राजनीति के समीकरण बदलने का माद्दा है। खैर, अभी तो सब इसी गणना में लगे हैं कि अगर पिछड़े और अति पिछड़े मिलकर राज्य की आबादी का दो तिहाई हो जाते हैं तो फिर इसकी काट के तौर पर दूसरा कौन सा समीकरण पेश किया जा सकता है। चूंकि बिहार सरकार ने जाति आधारित गणना की रिपोर्ट सार्वजनिक कर दी है, तो अब केंद्र की भाजपा सरकार का यह तर्क निरर्थक हो गया है कि राष्ट्रीय स्तर पर ऐसा करना व्यावहारिक रूप में संभव नहीं है।मप्र में तो कांग्रेस नेता कह भी चुके हैं कि वे ऐसी गणना कराएंगे। अब हर तरफ से यही सवाल उठेगा कि जब एक राज्य में संभव हो गया तो दूसरे राज्यों में और राष्ट्रीय स्तर पर भी यह काम क्यों नहीं हो सकता। चूंकि इस सवाल का कोई संतोषजनक जवाब उपलब्ध नहीं है, इसलिए भाजपा नेताओं का भी मुख्य स्वर यही हो गया है कि वे जाति आधारित गणना के खिलाफ नहीं हैं और बिहार सरकार के फैसले में भी शुरू से शामिल रहे हैं। लेकिन सवाल यह है कि जातिगत जनगणना के मसले पर पॉजिटिव रुख दिखाकर भाजपा क्या इंडिया गठबंधन के मुकाबले बढ़त बना पाएगी? अक्सर ऐसा होता है कि जिस मुद्दे पर जिसने शुरुआत की, उसे उसका लाभ भी तुलनात्मक रूप से अधिक होता है। जाति जनगणना के मामले में यह काम जेडीयू और आरजेडी ने किया है, जो भाजपा के के खिलाफ बने कांग्रेस समेत तमाम दलों वाले गठबंधन का मुख्य हिस्सा हैं। मगर इसके साथ यह भी याद रखना होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के लोकप्रिय नेता माने जाते हैं। ऐसे में किसी भी चुनाव में मोदी फैक्टर की अनदेखी नहीं की जा सकती। मगर क्या यह मुद्दा चुनाव तक प्रासंगिक बना रहेगा। राजनीति में तो एक सप्ताह का वक्त भी लंबा माना जाता है, ऐसे में छह महीने बाद होने वाले लोकसभा चुनाव तक बहुत कुछ बदलने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। मोदी ने कहा भी है कि संख्या में हिंदु सबसे ज्यादा हैं तो क्या वे आगे आकर सभी हक ले लें। वहीं दूसरी बात यह कि 2023 का भारत नब्बे के दशक के भारत से अलग है। जाति आज भी महत्वपूर्ण है, लेकिन वह हमारी आजीविका, सोच और खासकर वोटिंग बिहेवियर को उस तरह से प्रभावित नहीं करती, जैसे नब्बे के दशक में करती थी। इसलिए देखना होगा कि यह मुद्दा लोगों तक किस रूप में पहुंचता है, और जातीय गणित से आगे इसकी केमिस्ट्री किस तरह से विकसित होती है। मगर यह भी तय है कि आने वाले राज्यों के विस चुनाव और लोकसभा का चुनाव काफी दिलचस्प मोड पर आकर ठहर रहा है।

निशाना

सो रहा है तंत्र !

नरसंहार हो रहे ।
सो रहा है तंत्र ।।
कसने की लगाम पर ।
दिया गया है मंत्र ।।
ये कैसा है अत्याचार ।
लील रहे वो जान ।।
अबला और मासूमों पर ।
टूट पड़े शैतान ।।
मानवता है शर्मसार ।
ये कैसे कर डाला ?
भनक उनको ना लगी ।
जो बनते रखवाला ।।
बंद न होतीं घटनाएं ।
होता ना सुधार ।।
ना बतलाता कोई ।
हो कैसे उपचार ?

– कृष्णेन्द्र राय–

आज का इतिहास

- **1997** – क्रिकेटर ऋषभ पंत का जन्म 4 अक्टूबर 1997 को हुआ था।
- **1857** – भारतीय क्रांतिकारी सेनानी श्यामजी कृष्ण वर्मा एक भारतीय देशभक्त, वकील और पत्रकार थे। जिनका जन्म 4 अक्टूबर 1857 को हुआ था।
- **1884**– रामचंद्र शुक्ल व्यापक, शोध का उपयोग करके हिंदी साहित्य के इतिहास के पहले संहिताकार थे इनका जन्म 4 अक्टूबर को हुआ था।
- **1980**– एस.के. ओझा एक भारतीय फिल्म निर्देशक थे। जिनकी मृत्यु 4 अक्टूबर 1980 को हुई थी।

जातिगत सर्वे के सामाजिक-आर्थिक पहलू, उम्मीद पूरी नहीं कर सका टॉप-डाउन का विकास मॉडल

प्रो. अरुण कुमार

बिहार में जातिगत सर्वे के आंकड़े सार्वजनिक कर दिए गए हैं और इन आंकड़ों के सामने आते ही पूरे देश में इसको लेकर सियासत गरमा गई है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में जातिगत सर्वे कराने की मांग की जा रही है और कर्नाटक में 2015 में हुए जातिगत सर्वे के आंकड़ों को सार्वजनिक करने की मांग उठने लगी है। बिहार में हुए सर्वे की रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य में सबसे बड़ी आबादी अत्यंत पिछड़ा वर्ग की है, जो कुल आबादी के करीब 36 फीसदी है। इससे बिहार की स्थिति का तो पता चल रहा है, लेकिन पूरे देश में क्या स्थिति है, वह भी पता चलना चाहिए। लिहाजा, अब केंद्र सरकार पर यह दबाव बढ़ जाएगा कि राष्ट्रीय स्तर पर आंकड़े तैयार करके सार्वजनिक करे, ताकि कुल आबादी में जातिगत अनुपात का पता चल सके, जिससे उनके रोजगार एवं शिक्षा में बेहतर हिस्सेदारी के लिए आवश्यक नीतियां बनाई जा सकें। बिहार की कुल आबादी में अत्यंत पिछड़ा वर्ग का अनुपात बढ़ गया है, जो स्वाभाविक लगता है। इसकी वजह यह है कि अत्यंत पिछड़ा वर्ग में गरीबी ज्यादा है। जो गरीब होते हैं, वे शिक्षा व जागरूकता की कमी तथा बुढ़ापे में अपनी सामाजिक सुरक्षा के लिए ज्यादा बच्चे पैदा करते हैं। गरीबों के पास बचत तो होती नहीं, ऐसे में बच्चे ही उनके लिए सामाजिक सुरक्षा का आधार होते हैं। वे यह सोचते हैं कि ज्यादा बच्चे होंगे, तो ज्यादा कमाकर लाएंगे और बुढ़ापे में उनका ख्याल रखेंगे। लेकिन जैसे-जैसे लोगों की समृद्धि बढ़ती है, परिवार में खुशहाली बढ़ती है, वैसे-वैसे लोग कम बच्चे पैदा करते हैं। मध्य वर्ग और उच्च मध्य वर्ग की आर्थिक स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर होती है, इसलिए वे लोग कम बच्चे पैदा करते हैं, जिससे उनकी जनसंख्या धीमी गति से बढ़ती है।

अब सवाल उठता है कि हमें करना क्या है। ऊपरी जाति के लोग इस बात से चिंतित हैं कि चूंकि अत्यंत पिछड़ी जातियों का आबादी में ज्यादा अनुपात है, इसलिए उनकी आरक्षण की मांग बढ़ जाएगी। मेरा मानना है कि अगर हम शुरू से ही अत्यंत पिछड़ी जातियों को रोजगार और शिक्षा में ज्यादा तवज्जो देते, तो आज जो यह स्थिति आई है, वह नहीं आई होती। अगर रोजगार पर्याप्त संख्या में उपलब्ध हों, तो आरक्षण से कोई फर्क नहीं पड़ता है। आरक्षण से तब फर्क पड़ता है, जब रोजगार का संकट होता है। रोजगार के संकट की स्थिति में ही आरक्षण को लेकर झगड़ा पैदा होता है कि किसको कितना रोजगार मिल रहा है। इस समय चूंकि रोजगार का भारी संकट है, बेरोजगारी तेजी से बढ़ रही है, सरकारी नौकरियां कम हैं, ऐसे में आरक्षण की मांग बढ़ रही है। समस्या इसलिए बढ़ी है कि आजादी के बाद हमने टॉप-डाउन एवं ट्रिकल-डाउन की नीति अपनाई। इसका नतीजा यह हुआ कि समाज के ऊपरी तबके को तो सभी फायदे मिले, लेकिन निचले तबके को लाभ नहीं मिला या मिला भी, तो बहुत कम। इसलिए झगड़ा बढ़ गया।

सभी राजनीतिक पार्टियां इसका अपने-अपने ढंग से इस्तेमाल करना चाहेंगी और देश में एक बार फिर से मंडल-कमंडल की राजनीति और बढ़ जाएगी। लेकिन भाजपा के लिए स्थिति थोड़ी भिन्न है, क्योंकि पिछले कुछ चुनावों में भाजपा को पिछड़ी जातियों का काफी वोट मिला है। आने वाले चुनाव में राजनीतिक पार्टियां आरक्षण के मुद्दे को जोर-शोर से उठा सकती हैं।

नई प्रौद्योगिकी ने भी बेरोजगारी बढ़ाने में योगदान दिया है। हमारे देश में रोजगार सृजन में कृषि क्षेत्र का सर्वाधिक योगदान रहा है, लेकिन ट्रैक्टर, कंबाइन हार्वेस्टर, थ्रेसर, आलू खोदने की मशीन इत्यादि का इस्तेमाल बढ़ने से रोजगार पैदा नहीं हो पा रहा है। इसके अलावा, हमारी सरकारें भी अभी ऐसी नीतियां अपना रही हैं, जिनमें संगठित क्षेत्र को तो बढ़ावा मिलता है, लेकिन असंगठित क्षेत्र (जहां ज्यादातर लोग काम करते हैं) पिछड़ता चला जा रहा है।उदाहरण के लिए, सरकार ने कॉरपोरेट सेक्टर को कर छूट दी, पीएलए स्कीम चलाई, जबकि राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के आवंटन में कटौती कर दी। शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र के आवंटन में भी कटौती कर दी गई है, जबकि इन दोनों क्षेत्रों में ज्यादा रोजगार पैदा होता है। ज्यादातर निवेश बड़ी-बड़ी परियोजनाओं में किया जा रहा है, जहां आधुनिक प्रौद्योगिकी के जरिये मानव श्रम को विस्थापित किया जा रहा है। इन वजहों से समाज में असमानता की खाई और चौड़ी होती चली गई और यह झगड़ा ज्यादा तेजी से बढ़ता जा रहा है। इसलिए जो नीचे का तबका और उन तबकों के लिए सामाजिक न्याय की राजनीति करने वाली पार्टियां मांग करने लगी हैं कि अत्यंत पिछड़ी जातियों को आबादी में उसके अनुपात के हिसाब से आरक्षण का लाभ मिलना चाहिए। बिहार के जातिगत सर्वे के सार्वजनिक होने से अन्य राज्यों में भी ऐसे सर्वे कराए जाने की मांग तो उठने ही लगी है, अब यह भी मांग उठेगी कि आरक्षण की अधिकतम सीमा, जो 50 फीसदी निर्धारित है, उसे बढ़ाया जाए। लेकिन असली मुद्दा रोजगार संकट का है, गरीबों के बच्चों को अच्छी शिक्षा नहीं मिलने का है। जब सामाजिक रूप से सही नीतियों को समय पर लागू नहीं किया जाता है, तो सामाजिक संघर्ष होता है और अलगाव फैलता है। हम उन नीतियों को लागू करने के लिए मजबूर हैं, जो राष्ट्र के लिए अनुकूल नहीं हैं।जातिगत सर्वे के विरोधी यह तर्क देते हैं कि इस तरह के सर्वे के आंकड़ों में जिन जातियों की संख्या कम होगी, वे परिवार नियोजन की नीतियों को दरकिनार कर अपनी आबादी बढ़ाने की होड़ में लग जाएंगे। लेकिन मैं ऐसा नहीं मानता। दुनिया भर में जैसे-जैसे परिवार में समृद्धि बढ़ती है, शिक्षा का स्तर बढ़ता है, लोग परिवार नियोजन को अपनाते हैं और कम बच्चे पैदा करते हैं। कम आबादी वाले समृद्ध परिवारों के लोग अपने बच्चों का भविष्य बेहतर बनाने के लिए उन्हें शिक्षा एवं रोजगार के लिए विदेश में भेजने लगेंगे और यह अब भी हो रहा है। बिहार के जातिगत सर्वे के आंकड़ों के राजनीतिक निहितार्थ तो स्पष्ट हैं ही और इसका राष्ट्रीय राजनीति पर भी असर पड़ना लाजिमी है। सभी राजनीतिक पार्टियां इसका अपने-अपने ढंग से इस्तेमाल करना चाहेंगी और देश में एक बार फिर से मंडल-कमंडल की राजनीति और बढ़ जाएगी। लेकिन भाजपा के लिए स्थिति थोड़ी भिन्न है, क्योंकि पिछले कुछ चुनावों में भाजपा को पिछड़ी जातियों का काफी वोट मिला है। आने वाले चुनाव में राजनीतिक पार्टियां आरक्षण के मुद्दे को जोर-शोर से उठा सकती हैं। आरक्षण की अधिकतम निर्धारित सीमा को बढ़ाने की भी मांग उठ सकती है। सत्ता पक्ष बेशक इसे बढ़ाना नहीं चाहेगा, लेकिन संभावित चुनावी नुकसान को देखते हुए वह भी मुखर विरोध नहीं करेगा, बल्कि सनातन, आतंकवाद, चीन-पाकिस्तान जैसे अन्य मुद्दों की तरफ बहस को मोड़ना चाहेगा।

– साभार: यह लेखक के अपने विचार हैं

विश्व एक परिवार की भांति विश्व-शिक्षा भी एक हो

- ललित गर्ग -

● *विश्व शिक्षक दिवस - 5 अक्टूबर 2023 पर विशेष*

दुनिया की बहुत बड़ी शक्ति होती है- शिक्षक, उनकी प्रासंगिकता, अनिवार्यता और उपयोगिता कभी समाप्त नहीं हो सकती। शिक्षकों के कंधों पर ही उन्नत विश्व के निर्माण का गुरुत्तर दायित्व होता है। यदि इस दायित्व में थोड़ी-सी भूल रह जाती है तो समाज, राष्ट्र एवं विश्व के निर्माण की नींव खोखली रह जाती है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ की महत्वपूर्ण इकाई संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) द्वारा विश्व शिक्षक दिवस की शुरूआत 5 अक्टूबर, 1994 को गयी थी। इसका उद्देश्य विश्वभर के शिक्षकों द्वारा विश्व के लगभग दो अरब पचास करोड़ बच्चों के जीवन निर्माण में दिये जा रहे महत्वपूर्ण योगदान पर विचार-विमर्श करना है। यूनेस्को अपने कार्यक्रमों के द्वारा विश्व को शिक्षा, विज्ञान, शांति एवं प्रगति का सन्देश देने के लिए कृत संकल्पित है। प्राचीन समय से भारत शिक्षा का बड़ा केन्द्र रहा है और उसने संसार में जगतगुरु की भूमिका निभाई है।

आर्थिक आपाधापी, आतंक, युद्ध एवं हिंसा के आधुनिक युग में शिक्षकों की भूमिका बहुत अधिक महत्वपूर्ण हो गई है क्योंकि वे छात्रों को न केवल ज्ञान देते हैं, बल्कि उन्हें जीवन में जरूरी कौशल भी सिखाते हैं। शिक्षक छात्रों के साथ सहयोग करते हुए उन्हें नैतिक मूल्यों एवं शांतिपूर्ण जीवन के बारे में भी समझाते हैं जो एक अच्छे नागरिक के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिये शिक्षक को ऐसे छात्र तैयार करने होंगे जो वैज्ञानिक-आध्यात्मिक हो, जिनमें बौद्धिकता एवं भावनात्मकता के साथ शारीरिक एवं मानसिक विकास हो। प्रसिद्ध शिक्षाविद् डॉ. ए. एस. अल्तेकर ने लिखा है-''शिक्षा प्रकाश और शक्ति का ऐसा स्रोत है, जो हमारी शारीरिक, मानसिक, भौतिक और आध्यात्मिक शक्तियों तथा क्षमताओं का निरंतर सामंजस्यपूर्ण विकास करके हमारे स्वभाव को परिवर्तित करती है और उसे उत्कृष्ट बनाती है।'' जब आधारभूमि मजबूत बन जाती है, नींव और खम्भे मजबूत बन जाते हैं तब प्रासाद को खड़ा किया जा सकता है। जब वैयक्तिक चेतना पवित्र बनती है जब सामुदायिक चेतना के विकास की बात आती है, यही विश्व चेतना को मजबूती देती है। विश्वमानव के आधार पर होने वाली शिक्षा तभी पवित्र एवं प्रभावी होगी, जब उसकी पृष्ठभूमि में मानवीय चेतना या वैयक्तिक चेतना की भूमिका पवित्र बनी हुई है।

नोबेल पुरस्कार से सम्मानित नेल्सन मंडेला ने कहा था कि ''संसार में शिक्षा ही सबसे शक्तिशाली हथियार है जो दुनिया को बदल सकती है।'' युद्ध के विचार मानव मस्तिष्क में उत्पन्न होते हैं। मनुष्य के विचार ग्रहण करने की सबसे श्रेष्ठ अवस्था बचपन है। मानव मस्तिष्क में शान्ति के विचार बचपन से ही डालना होगा। शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो बालक को सारे विश्व से प्रेम करने के विश्वव्यापी दृष्टिकोण को विकसित करें। ग्लोबल विलेज के युग में सारे विश्व की एक जैसी शिक्षा प्रणाली होनी चाहिए। विश्व एकता की शिक्षा इस युग की सबसे बड़ी आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र संघ के पूर्व महासचिव डा0 कोफी अन्नान ने कहा था कि ''मानव इतिहास में बीसवीं सदी सबसे खूनी तथा हिंसा की सदी रही है।''बीसवीं सदी में विश्व में दो विश्व महायुद्धों, हिरोशिमा तथा नागाशाकी पर दो परमाणु बमों का हमला तथा अनेक युद्धों की विनाश लीला का ये सब तण्डाव संकुचित राष्ट्रीयता के कारण हुआ है, इसी के कारण करीब डेढ़ वर्ष से लगातार रूस-यूक्रेन युद्ध चल रहा है, जिसके लिए सबसे अधिक दोषी हमारी शिक्षा है। विश्व के सभी देशों के स्कूल अपने-अपने देश के बच्चों को अपने देश से प्रेम करने की शिक्षा तो देते हैं लेकिन शिक्षा के द्वारा सारे विश्व से प्रेम करना नहीं सिखाते हैं। यदि विश्व सुरक्षित रहेगा तभी देश सुरक्षित रहेंगे और तभी व्यक्ति सुरक्षित रहेगा। पाश्चात्य शिक्षाशास्त्री जॉन डयूवी ने लिखा है- ''शिक्षक बालक के लिए सदैव परमात्मा का पैगम्बर होता है, जो परमात्मा के सच्चे राज्य में प्रवेश कराने वाला है।'' एक अध्यापक स्रष्टा की भांति समाज की भावी पीढ़ी का निर्माण करके समाज द्वारा उत्पन्न शून्य को भरने का प्रयत्न करता है। यदि उसके दायित्व में कमी रहती है तो उसे क्षम्य नहीं माना जा सकता। शिक्षक उस माली के समान है, जो एक बगीचे को अलग अलग रूप-रंग के फूलों से सजाता है। जो छात्रों को कांटों पर भी मुस्कुराकर चलने के लिए प्रेरित करता है। जे. कृष्णमूर्ति ने सच्चे अध्यापक की जो कसौटियां प्रस्तुत की हैं, वे उसके व्यक्तित्व के माहात्म्य को प्रकट करने वाली हैं- ''सच्चा अध्यापक अभ्यंतर में समृद्ध होता है अतः अपने लिए कुछ नहीं चाहता, वह महत्वाकांक्षी नहीं होता, वह अपने अध्यापन को पद अथवा सत्ताधिकार प्राप्त करने का साधन नहीं बनाता, सच्ची संस्कृति इंजीनियरों और टेक्नीशियनों पर नहीं, अपितु शिक्षकों पर आधारित होती है। आज की शिक्षा मिशन न होकर, व्यवसाय बन गयी है। तमाम शिक्षक एवं शिक्षालय अपने ज्ञान की बोली लगाने लगे हैं। वर्तमान विश्व परिप्रेक्ष्य में देखें तो गुरु-शिष्य की परंपरा कहीं न कहीं कलंकित हो रही है। आए दिन शिक्षकों द्वारा छात्रों एवं छात्रों द्वारा शिक्षकों के साथ दुर्व्यवहार, मारपीट एवं अनुशासनहीनता की खबरें सुनने को मिलती हैं। विश्व शिक्षक दिवस एक अवसर है जब हम धुंधली होती शिक्षक की आदर्श परम्परा एवं शिक्षा को परिष्कृत करने और जिम्मेदार व्यक्तियों का निर्माण करने का कार्य करें। वर्तमान समय में शिक्षक की भूमिका भले ही बदली हो, लेकिन उनका महत्व एवं व्यक्तित्व-निर्माण की जिम्मेदारी अधिक प्रासंगिक हुई है। क्योंकि सर्वतोमुखी योग्यता की अभिवृद्धि के बिना युग के साथ चलना और अपने आपको टिकाए रखना अत्यंत कठिन होता है। फौलाद-सा संकल्प और सब कुछ करने का सामर्थ्य ही व्यक्तित्व में निखार ला सकता है। शिक्षक ही ऐसे व्यक्तित्वों का निर्माण करते हैं। स्वामी विवेकानंद के अनुसार सर्वांगीण विकास का अर्थ है- हृदय से विशाल, मन से उच्च और कर्म से महान। सर्वांगीण व्यक्तित्व के विकास हेतु शिक्षक आचार, संस्कार, व्यवहार और विचार- इन सबका परिमार्जन करने का प्रयत्न करते रहते थे। भारत के मिसाइल मैन, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने कहा है कि अगर कोई देश भ्रष्टाचार मुक्त है और सुंदर दिमाग का राष्ट्र बन गया है, तो मुझे दृढ़ता से लगता है कि उसके लिये तीन प्रमुख सामाजिक सदस्य हैं जो कोई फर्क पा सकते हैं वे पिता, माता और शिक्षक हैं।÷ डॉ. कलाम का यह उद्धरण विश्व में शिक्षकों के प्रभाव का प्रतीक है। शिक्षकों पर इस दुनिया में सबसे प्रेरक काम और एक बड़ी जिम्मेदारी है। शिक्षक का पद अत्यंत गरिमा पूर्ण होता है, क्योकिं जिस प्रकार खेती के लिए बीज, खाद एवं उपकरण के रहते हुए, अगर किसान नहीं हैं, तो सब बेकार है। उसी प्रकार विद्यालय के भवन, शिक्षण सामग्री एवं छात्रों के होते हुए, शिक्षक नहीं हैं तो सब बेकार है। महान् दार्शनिक आचार्य महाप्रज्ञ के शब्दों में -'व्यक्तित्व-निर्माण का कार्य अत्यन्त कठिन है।

निःस्वार्थी और जागरूक शिक्षक ही किसी दूसरे व्यक्तित्व का निर्माण कर सकता है।' हमने सुपर-30 फिल्म में एक शिक्षक के जुनून को देखा। इस फिल्म में प्रो. आनन्द के शिक्षा-आन्दोलन को प्रभावी ढंग से प्रस्तुति दी गयी है। आज शिक्षक एवं शिक्षा का महत्व ज्यादा है। जैसाकि महात्मा गांधी ने कहा था-एक स्कूल खुलेगी तो सौ जेलें बंद होंगी। पर आज उल्टा हो रहा है। स्कूलों की संख्या बड़ने के साथ जेलों के स्थान छोटे पड़ रहे हैं। जेलों की संख्या भी उसी अनुपात में बड़ रही है। स्पष्ट है- हिंसा और अपराधों की वृद्धि में वर्तमान शिक्षा प्रणाली एवं शिक्षक भी एक सीमा तक जिम्मेदार है। प्राचीन काल में शिक्षा का उद्देश्य 'सा विद्या या विमुक्तये' रहा अर्थात् विद्या वही है, जो मुक्ति दिलाए। आज शिक्षा का उद्देश्य 'सा विद्या या नियुक्तये' हो गया है अर्थात् विद्या वही जो नियुक्ति दिलाए। इस दृष्टि से शिक्षा के बदलते अर्थ ने विश्व मानसिकता को बदल दिया है। यही कारण है कि आज समाज में लोग केवल शिक्षित होना चाहते हैं, सुशिक्षित-संस्कारी नहीं बनना चाहते। वसुधैव कुटुम्बकम के उद्घोष के अनुरूप विश्व को एक परिवार बनाने की महती सोच विकसित हो रही है, इसी के साथ पूरी दुनिया में 'एक जैसे शिक्षक और एक जैसी शिक्षा' पॉलिसी पर काम किया जाना अपेक्षित है। इसके लिये अपेक्षित है कि केवल शिक्षा क्रांति ही नहीं, बल्कि शिक्षक क्रांति का शंखनाद हो।

नर्मदा के सभी तटों पर स्वच्छता के लिए अभियान में जुटे अफसर

'नर्मदा तट पर रहने वाले ग्रामीण ही स्वच्छता अभियान के पहले सिपाही हैं'

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

जिला मुख्य कार्य पालन अधिकारी सूजनसिंह रावत, जनपद की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रुति चोधरी, जिला स्वच्छता समनवयक सुश्री प्रीति बरकड़े ,अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी राकेश नागर ने ग्राम पंचायत ग्वाडी के अंतर्गत आने वाले नर्मदा तट आंवली घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया उन्होंने पूरे ग्राम वासियों को इकट्ठा कर घातक अपशिष्टों के बारे में जानकारी दी और स्वच्छता अभियान की निरंतर को लेकर संकल्प दिलाया।

अधिकारियों ने जिला स्तरीय स्वच्छता अभियान के अंतर्गत लगातार नर्मदा तटों पर स्वच्छता और सुंदरता का अभियान चलाया।अभियान के अंतर्गत घाटों की सफाई की गई और कचरे का सही तरीके से निवारण किया गया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आमंत्रित ग्रामीणों को भी इस अभियान में शामिल किया गया अधिकारियों ने ग्रामीणों को सजग किया और उन्हें बताया कि आप ही नर्मदा नदी की स्वच्छता और सुंदरता के सबसे पहले सिपाही हैं।

तट पर पूजन सामग्री, पालीथिन नहीं लाने की अपील

क्योंकि आप नर्मदा तट पर रहने वाले लोग हैं यदि आप स्वयं और आने वाले आगंतुकों को नर्मदा तट को साफ और सुंदर बनाए रखने के लिए प्रेरित करेंगे तो निश्चित ही हम नर्मदा तट को स्वच्छ और सुंदरता के अभियान में सफल हो पाएंगे। जिला मुख्य कार्य पालन अधिकारी सूजनसिंह रावत ने नर्मदा तट पर पॉलिथीन, पूजन पाठ की सामग्री नहीं लाने की बात की । इसी के साथ उन्होंने नर्मदा के जल में सीधे तौर पर साबुन जैसे पदार्थ की घातकता को स्पष्ट रूप से ग्रामीणों को बताया । उन्होंने बताया कि घातक अपशिष्ट कौन-कौन से हैं जिनके माध्यम से नर्मदा का पानी प्रदूषण होता है । जनपद की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रुति चोधरी ने अनेक ग्रामीणों को स्वच्छता अभियान के सिपाही की तरह संकल्प दिलाया । स्वच्छता के इस अभियान में जिला मुख्य कार्य पालन अधिकारी सूजनसिंह रावत, जिला स्वच्छता समनवयक सुश्री प्रीति बरकड़े, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी राकेश नागर , सहायक यंत्री रूपेश, बीसी एसबीएम भवानी गडरिया, उपयंत्री अमित पाल, आदित्य स्वामी, ग्राम पंचायत सचिव संजय गौर, स्व-सहायता समूह की महिलाएं , जन अभियान परिषद के सदस्य, ग्रामीण जन और विभाग कर्मचारी उपस्थित हुए।

राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में इशाना खान,भावेश सराठे का हुआ चयन

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

उमरिया में आयोजित जनजाति विभागीय राज्य स्तरीय वालीबाल प्रतियोगिता संपन्न हुई। जिसमें 17 वर्ष की बालिका वर्ग में कुमारी ईशाना खान एवं 14 वर्ष बालक वर्ग में भावेश सराठे का चयन स्कूलीय राज्य स्तरीय प्रतियोगिता मैं हुआ है। दोनों खिलाड़ी भिंड मुरैना मैं 4 अक्टूबर से 7 अक्टूबर तक आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेंगे उल्लेखनीय है दोनों खिलाड़ी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तवा नगर में अध्यनरत है उनके चयन होने पर संस्था के प्राचार्य एवम् समस्त स्टाफ सहित पीटीआई हेमंत पटेल वॉलीबॉल संघ के जिला उपाध्यक्ष बशारत खान ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की

पर्यावरण मित्रों को स्कूटी का वितरण

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मंगलवार को जिला पंचायत के सभागार में मुख्य कार्यपालन अधिकारी एसएस रावत द्वारा स्व सहायता समूहों के संकुल स्तरीय संघ के पदाधिकारियों को पर्यावरण मित्र प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत स्कूटी का वितरण किया गया। जिसका उपयोग महिलाओं के द्वारा ग्रामों में पर्यावरण को लेकर जागरूकता हेतु किया जाएगा। साथ ही भोपाल के जंबूरी मैदान में आयोजित मुख्यमंत्री कार्यक्रम को दिखाया गया तथा दो स्व सहायता समूहों कल्याणी समूह मेहरागांव एवं मां दुर्गा समूह निमसाड़ियां को 10 लाख के सीसीएल ऋण संबंधी चेक का वितरण किया गया कार्यक्रम में स्व सहायता समूहों की महिलाएं एवं मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला पंचायत से जिला प्रबंधक माइक्रोफाइनेंस किशोर सिलधरिया, जिला प्रबंधक कृषि आदित्य शर्मा, जिला प्रबंधक जेठू सिपट्टा, जिला प्रबंधक श्रीमती अर्चना शुक्ला रूसिया एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

आयुष्मान भव मेला

डोलरिया में 957 लोगों की हुई स्वास्थ्य जांच

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

आयुष्मान भव के अंतर्गत सामूदायिक स्वास्थ्य केंद्र डोलरिया में विकासखंड स्तरीय आयुष्मान स्वास्थ्य मेले का आयोजन 3 अक्टूबर मंगलवार को हुआ, कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक प्रेम शंकर वर्मा, अनिल बुंदेला, सत्यनारायण परिहार, शंभू भाटी, डॉ विशाल बघेल, राममोहन राजपूत, प्रीतम बुंदेला, चंदन परिहार, दीपेंद्र, श्रीमती शीला सहित अन्य जन प्रतिनिधियों के द्वारा फीता काटकर, मां सरस्वती वंदना माल्यार्पण कर किया गया।

सीएमएचओ डॉ दिनेश देहलवार एवं बीएमओ डॉ राजेश मीना ने बताया कि विशाल निशुल्क आयुष्मान स्वास्थ्य मेले में 957 मरीजों का पंजीयन हुआ जिन्हे गाँधी मेडिकल कॉलेज से डॉ नितिन पंड्या न्यूरोसर्जन एवम डॉ राजकुमार सर्जरी विशेषज्ञ, सहित 12 चिकित्सा विशेषज्ञ एवं स्थानीय चिकित्सकों द्वारा मरीजो की जांच व उपचार किया गया। 124 हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए एवं स्त्री विशेषज्ञ द्वारा 46 महिलाओ की जाँच की गई एवं 107 मरीजो की एनसीडी स्क्रीनिंग की गई एवं 48 हितग्राहियों की आभा आई डी बनाई गई एवं नेत्र विशेषज्ञ द्वारा 38 नेत्र मरीजो की स्क्रीनिंग की गई। जिसमें 6 मरीज मोतियाबिंद के पाए गये,शुगर के 64, ब्लड प्रेशर के 89, दांत रोग के 24, नाक कान गला के 42, मानसिक स्वास्थ्य के 113,आयुष चिकत्सा के 78, होम्योपैथी के 65, अस्थमा के 4, शिशु रोग के 28 मरीजों का पंजीयन व उपचार किया , 46 व्यक्तियों को परिवार कल्याण परामर्श दिया गया ,सभी अतिथियों का स्वागत ब्लाक मेडिकल आफिसर डॉ राजेश मीना, डीएचओ डॉ आर के वर्मा, डॉ चंदन चावड़ा, डीसीएम शैलेंद्र शुक्ला, प्रीतेश प्रजापति , अमित परसाई, सत्येंद्र सहित स्टॉफ द्वारा किया गया, मेला कार्यक्रम का संचालन एवम आभार प्रदर्शन एमपीडब्ल्यू सुनील साहू द्वारा किया गया। मेला में बीआरडी नर्सिंग कॉलेज पवारखेड़ा की 28 छात्राओं ने भी सहयोग दिया। अगला आयुष्मान स्वास्थ्य मेला 5 अक्टूबर गुरुवार को सीएचसी सुखतवा में रहेगा।

प्रत्येक मतदान केंद्रों पर मतदाता सूची का वाचन किया जाए : कलेक्टर

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा कर सभी रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्देशित किया कि 4 अक्टूबर को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। सभी मतदान केंद्रों में मतदाता सूची के वाचन की कार्यवाही की जाएं।

कलेक्टर ने बैठक में आगामी प्रमुख कार्यक्रमों के आयोजन के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि पीएम किसान सम्मान निधि वितरण का कार्यक्रम 5 अक्टूबर को सतना में आयोजित किया जायेगा। जिसमें फसल बीमा की राशि के वितरण के साथ मुख्यमंत्री आवासीय भू अधिकार योजना , स्वामित्व योजना के हितग्राहियों को लाभान्वित भी किया जाएगा। कार्यक्रम का लाइव प्रसारण जिले के सभी ग्राम एवं नगर पंचायतों में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 4 अक्टूबर को लाड़ली बहना योजना के पात्र हितग्राहियों को भी राशि का वितरण किया जाएगा। उन्होंने सर्व संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि उक्त कार्यक्रमों का जिले के सभी ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में प्रसारण किया जाए। उन्होंने बताया कि 4 अक्टूबर को संभागीय आईटीआई नर्मदापुरम का लोकार्पण किया जाएगा। इसी प्रकार 6 अक्टूबर को विभिन्न निर्माण विभाग अंतर्गत पूर्ण हुए विकास कार्यों का लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित होगा। साथ ही उन्होंने फसल नुकसानी के संबंध में सर्वे कर पात्र व्यक्तियों को आरबीसी 6(4)के तहत आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।बैठक में जिला पंचायत सीईओ एसएस रावत सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने आगामी कार्यक्रमों के आयोजन के संबंध में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

मुख्यमंत्री ने पत्रकार पटेरिया को सम्मान निधि प्रदान की.

नर्मदापुरम. मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में नर्मदापुरम जिले के वरिष्ठ पत्रकार पंकज पटेरिया को स्टेट मीडिया सेंटर के भूमिपूजन के अवसर पर बढ़ी हुई सम्मान निधि प्रतीक स्वरूप प्रदान की।

स्वास्थ्य मंत्री ने रायसेन विकास कार्यो का किया भूमिपूजन और लोकार्पण

रायसेन

स्वास्थ्य मंत्री डॉ प्रभुराम चौधरी ने रायसेन नगर के विभिन्न वार्डो में लगभग एक करोड़ 20 लाख रू से अधिक राशि के विभिन्न विकास कार्यो का भूमिपूजन तथा लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में स्वास्थ्य मंत्री डॉ चौधरी ने उपस्थित जनसमूह को रायसेन नगर सहित क्षेत्र में किए जा रहे विकास कार्यो तथा सरकार की अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में संबोधित किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत मीणा, पार्षदगण, श्री जमना सेन, श्री राकेश शर्मा और गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे। स्वास्थ्य मंत्री डॉ चौधरी ने रायसेन नगर के वार्ड क्रमांक-11 में मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक निर्माण हेतु शासकीय आदिवासी छात्रावास के दो लाख 80 लाख रू लागत के उन्नयन कार्य का लोकार्पण किया। इसके उपरांत वार्ड क्रमांक-12 में एसडीएमएफ योजना अंतर्गत 53.84 लाख रू लागत से आरसीसी नाला निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। डॉ चौधरी ने रायसेन नगर के वार्ड क्रमांक-13 अंतर्गत अशोक नगर पाटनदेव में 26.56 लाख रू लागत के मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया ।

मेट्रो एंकर सफाई और रक्तदान शिविर के साथ गांधी जयंती पर एक सप्ताह में विभिन्नत कार्यक्रमों का आयोजन होगा

श्रीरावतपुरा आश्रम में रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

गांधी जयंति के उपलक्ष्य में ग्राम बुंडाराकलॉ स्थित श्री रावतपुरा सरकार आश्रम के अन्तर्गत सप्ताह भर सामाजिक, नशामुक्ति प्रेरणा शिविर, वृक्षारोपण और नर्मदा तटों की सफाई जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है । गांधी जयंति सप्ताह के अन्तर्गत सेवकों के व्दारा नर्मदा तट आंवलीघाट की सफाई की गई और रक्त दान शिविर का आयोजन किया ।

समाज में गांधी जी के दिये गये विचारों में स्व्च्छतता अभियान के अंतर्गत आंवलीघाट की सफाई का अभियान चलाया गया । घाट की सफाई में निकला कचरा घाट से दूर ले जाकर गडडे में डाला गया । व्दितीय दिवस में स्थाानीय श्री रामजानकी मंदिर में सिद्ध मंत्रों के उच्चारण के साथ रक्त दान शिवर का अयोजन किया गया । प्रखाण्ड विदवान ब्राह्मण के व्दारा जिस भी बीमार व्यक्ति को रक्त चढ़ाया जाये वह जल्दी स्वस्थ हो ऐसी कामना के साथ शिविर का शुभारंभ किया । रक्त दान शिविर में आश्रम के सेवक धीरज सुधाकर गौर ने बताया रक्त दान शिविर मुख्य रूप से पूर्व सिविल सर्जन व मुख्य ज़िला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रविकांत शर्मा, शेरसिंह बड़कुल एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा उत्साह पूर्वक शिविर मैं सहयोग किया गया । इस आयोजन में मुख्य रूप से श्री रामजानकी मंदिर के संस्थापक अवधेश तिवारी (कक्का जी), आश्रम सेवक धीरज सुधाकर गौर, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष रितेशकुमार जैन, कांग्रेस के नेता जितेंद्र सोलंकी, प्रहलाद गुर्जर, अक्षय पटेल, आनंद गौर, समीर शर्मा, अजय रघुवंशी, सावन यादव, आशुतोष गौर, देवेंद्र गौर, सार्थक गौर, मनोज खोदरे, ओमप्रकाश

अवैध नशे का गढ़ बना नगर

1 लाख की स्मैक के साथ बेचने व खरीदने वाले को पुलिस ने किया गिरफ्तार

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

अवैध रूप से फल फूल रहा है नशे के कारोबार पर रोक लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक अध्यक्ष पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एसडीओपी उमेश कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में पुलिस ने नाग थोक में बेचने के लिए आए आरोपी और खरीद कर उसको सप्लाई करने वाले दोनों को धारिता को चयन के पास से 100000 कीमत की इसमें एक बरामद की है ।

नाम आरोपी

1.बलवीर बंजारा उर्फ बब्लू पिता सुखलाल बंजारा उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम पिपरिया थाना आरोन जिला गुना 2. भगवानदास बाल्मिकी पिता मुन्नालाल वाल्मिकी उम्र 39 वर्ष निवासी दिल्ली दरवाजा

जप्ती

स्मैक 10 ग्राम 300 मिलीग्राम स्मैक कीमती करीबन 1 लाख रूपये ।

सराहनीय भूमिका

निरी. संदीप कुमार पवार , सउनि. विनोद रघुवंशी , प्रआर. अमित मिश्रा ,आर. संतोष रघुवंशी , आर. सुनील मलहोत्रा की रही।

इसके बाद दोनों आरोपियों पर एनडीपीसी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज करके दोनों आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया है। घटनाक्रम का खुलासा प्रेस वार्ता के माध्यम से एसडीओपी उमेश कुमार त्रिपाठी, थाना प्रभारी संदीप सिंह परमार ने करते हुए बताया कि शहर में स्मैंक की बिक्री होने की जानकारी व शिकायतें मिलने पर मुखबिरों तथा स्टाफ को सक्रियता से स्मैक बेचने वालों की जानकारी एकत्रित की गई । जैसे ही मुखबिर से मिली पुख्ता जानकारी के 2 अक्टूबर को थाने के स्टाफ द्वारा निसईया जी की घाटी आरोन रोड़ पर दबिश देकर मुखबिर द्वारा सूचित किये गये व्यक्तियों का इंतजार करते हुए। जैसे ही एक मोटर साईकिल सवार पहले से वहां मौजूद था जिसके ऊपर अवैध से नशें की बिक्री के नामी पाउडर बेचने वाला भगवान दास उस मोटर साईकिल सवार से मिला तो उसने ने अपनी जेब से एक पैकेट निकाल कर भगवान दास को दिया उसी समय सउनि विनोद रघुवंशी एवं स्टाफ ने दोनों को अभिरक्षा में लेकर तलाशी ली । मोटर साईकिल सवार व्यक्ति बलवीर बंजारा उर्फ बब्लू पिता सुखलाल बंजारा उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम पिपरिया थाना आरोन जिला गुना था जो भगवानदास बाल्मिकी पिता मुन्नालाल वाल्मिकी उम्र 39 वर्ष निवासी दिल्ली दरवाजा सिरोंज को अवैध स्मैंक की सप्लाई करने आया था तलाशी में दोनों के कब्जे से संयुक्त रूप से 10 ग्राम 300 मिलीग्राम अवैध स्मैंक जिसकी कीमती करीबन 1 लाख रूपये जप्त करके आरोपीगणों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपीगणों के विरुद्ध अप.क्र. 419/2023 धारा 8/21 ~~हृष्क्क~~ एक्ट का थाना सिरोंज में पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना की जा रही है। भगवान दास बाल्मिकी के विरूद्ध पूर्व में भी अवैध स्मैंक बेचते हुए पाये जाने पर चार अपराध एनडीपीएस एक्ट के तहत पंजीबद्ध है।

किसान की उपज पर डंडी मारकर, मारपीट करने वाले हम्मलों पर कार्रवाई के लिए सचिव ने जारी किया नोटिस

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

नगर की कृषि उपज मंडी अनाज चोरी के लिए पूरे जिले में प्रसिद्ध होने की वजह से बहुत कम संख्या में किसान अपनी फसल विक्रय करने की लेकर आते हैं। इसके बाद भी मंडी प्रशासन के द्वारा किसानों की उपज पर चोट करने वाले हम्मलो पर ठोस कार्रवाई नहीं की जाती इसकी वजह से इनकी अनाज चोरी करने की आदत जाती हुई दिखाई नहीं दे रही है ।

अब तो इनके हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि किसानों के साथ मारपीट भी करने लगे हैं । इस तरह का मामला पिछले दिनों आया था किसान वीरेंद्र सिंह निवासी योजना की उपज चोरी करने के बाद बोरे बीच में छुपा दिया फिर किसान के साथ मारपीट की गई थी इसके बाद किसान नेता सुरेंद्र रघुवंशी ने मंडी में पहुंचकर हम्मलो किसान की फसल चोरी करने बालों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग करते हुए तत्काल पंचनामा बनवाया था तीन दिन बाद मंडी प्रशासन ने किसान का उपज से भर हुऐ बोरे को गायब करने हम्मल भैरव सिंह,फरीद खान ,भूपेंद्र निलेश को नोटिस जारी करके 3 दिन के अंदर जवाब देने के लिए तलब किया गया है लिखित में उचित जवाब नहीं देने पर लाइसेंस निरस्त करने के साथ मंडी की विभिन्न धाराओं में कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। मंडी सचिव की इस कार्रवाई का कितना असर होगा यह कार्रवाई कितनी ठोस होगी या फिर अभी मामले को रफतपा करने के लिए। अभी चारों हम्मलो को तत्काल प्रभाव से मंडी में काम करने से रोक दिया गया है। अब देखना है कि इस मामले में मंडी प्रशासन के द्वारा किस की कितनी बड़ी कार्रवाई की जाएगी या फिर हर बार की तरह नोटिस देकर कार्रवाई के नाम पर खाना पूर्ति करके मामले को रखा दफा कर दिया जाएगा।

समर्पित जन सेवक और सजग प्रहरी के रूप में जनकल्याण के लिए कार्य करें जन सेवा मित्र

रायसेन। मुख्यमंत्री श्री चौहान मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जिलों के जन सेवा मित्रों से किया वर्चुअल संवादमुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि युवा जन सेवा मित्र देश और प्रदेश के विकास व जन कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। जनता और प्रशासन के बीच कड़ी के रूप में युवाओं को जोड़ने के विचार से इस योजना का सूत्रपात हुआ। यह संभवतरू देश का सबसे बड़ा शासकीय इंटर्नशिप कार्यक्रम है। अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री भी इस योजना में रुचि ले रहे हैं और कई प्रदेश इससे मिलते-जुलते कार्यक्रम बना रहे हैं।

आवारा मवेशी बने मुसीबत का कारण जिम्मेदार नहीं दे रहे हैं ध्यान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

इन दोनों आवारा जानवरों की वजह से आम से लेकर खास को परेशानियों का समना करना पढ़ रहा है। मुख्य सड़कों के साथ शहर के विभिन्न मार्ग चौक चौराहा बस स्टैंड आदि स्थानों पर इनका जामवाड होने के कारण कई बार छोटी बड़ी दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है ।दूसरी ओर मवेशियों को ठिकाना नहीं मिलने से यहां भूखी प्यासी इधर उधर भटकती रहती हैं ।कई बार बस स्टैंड पर यात्रियों के समान को भी छीन लेती है ।इसके अलावा सांडों की लड़ाई के कारण कई बार नुकसान भी हो चुका है। कुछ लोग घायल भी हो जाते हैं ।उसके बाद भी प्रशासन के जुम्मे का अधिकारियों के द्वारा ठोस प्रयास नहीं किए जा रहे हैं ।शहर में जिस हिसाब से जानवर है उनको देखते हैं कई 4-5 गौशाला होनी चाहिए।

निम्न लिंगानुपात वाले 13 जिलों पर विशेष ध्यान दें

डॉ चौधरी ने पीएनडीटी राज्य सुपरवाईजरी बोर्ड की बैठक ली

रायसेन, दोपहर मेट्रो

लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने कहा है कि प्रदेश के औसत 956 लिंगानुपात से निम्न वाले 13 जिलों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। मंत्री डॉ. चौधरी पीसी एण्ड पीएनडीटी राज्य सुपरवाईजरी बोर्ड की बैठक को संबोधित कर रहे थे। मंत्री डॉ. चौधरी ने कहा कि एनएफएचएस 2015-16 की तुलना में एनएफएचएस 2019-20 की रिपोर्ट में प्रदेश में 29 पाइंट की लिंगानुपात में बढ़ौत्तरी हुई है। वर्ष 2014-15 में प्रदेश का लिंगानुपाल 927 था जो बढ़कर वर्ष 2019-20 में 956 हो गया। प्रदेश के दतिया, सतना, ग्वालियर, रायसेन, सीधी, बुरहानपुर, सीहोर, गुना, देवास, सिंगरौली, पन्ना, हरदा और बड़वानी में निम्न लिंगानुपात है। इन जिलों में लिंगानुपात बढ़ाने के लिए प्रयास करना चाहिए। भ्रूण हत्या जैसे कृत्यों पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए पीसी एण्ड पीएनडीटी एक्ट के प्रावधानों का कढ़ाई से पालन कराया जाये। मुखविर पुरस्कार योजना में बढ़ाई गई राशि की जानकारी नागरिकों को दी जाये। सभी जिलों में जन्म के समय लिंगानुपात के बेहतरीकरण पर चर्चा के लिए जिलास्तर पर अंतर विभागीय बैठकें आयोजित की जाये। जन्म के समय शिशु लिंगानुपाल में सुधार दर्ज करने वाले खंडवा, भोपाल, सिवनी, टीकमगढ़ और मंदसौर के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की सराहना की गई। मंत्री डॉ. चौधरी ने कहा कि लैंगिक असमानता के दुष्प्रभाव और लिंग चयन आधारित गर्भपात के नियंत्रण के लिए जन जागरूकता बढ़ाने में सभी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर, आंगनवाड़ी केन्द्र, निजी मेटरनिटि होम और एमटीपी अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत केन्द्रों पर जानकारी देने वाले पोस्टर लगवाये जाये। पोस्टर में जानकारी दी जाए कि भ्रूण लिंग की जाँच करना और करवाना दंडनीय अपराध है।

कार्यालय कृषि उपज मंत्री समिति बानापुरा जिला -नर्मदापुरम म.प्र.

क्र/ मंडी/ निर्माण/ 23-24/626 बानापुरा, दिनांक 29-09-2023

:: निविदा आमंत्रण सूचना ::

प्रमुख अभियंता म.प्र. लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त (केंद्रीयकृत पंजीयन प्रणाली) पंजीकृत निविदाकारों से प्रतिशत दर आधार पर सिस्टम निविदा क्रमांक 2023 _MPSAM_314220_1 2023_ MPSAM_ 314221 _ 1 _2023 MPSAM _ 314222 _ 1_ 2023 _ MPSAM _ 2023 _ MPSAM_ 314223 _ 1 के अंतर्गत ऑन लाईन निविदायें दिनांक 25-10-2023 को शाम 5 : 30 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी निविदाकारों को म.प्र. शासन के ई-निविदा के पोटल htths://mptenders.gov.in पर प्राप्त होगी एवं निविदा से संबंधित समस्त जानकारी मंत्री बोर्ड के पोर्टल www.mpmmandi-board.gov.in पर अक्लोकनीय होगी।

नोट :- आवश्यक होने पर उपरोक्त निविदा सूचना से संबंधित किसी भी प्रकार की संशोधन सूचना अथवा अन्य जानकारी केवल उपरोक्तानुसार पोर्टल पर प्रदर्शित की जावेगी।

सचिव
कृषि उपज मंडी समित
बानापुरा

मेट्रो एंकर 70 गाँवो के किसानों को मिलेगा लाभ

मंजूरी: 8 करोड़ की लागत से क्षेत्र में बनेंगे तीन विद्युत सब-स्टेशन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

किसानों के हित के क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा के प्रयासों से मुख्यमंत्री ने विकासखंड में तीन सबस्टेशन निर्माण के लिए आठ करोड़ की राशि स्वीकृति प्रदान की है। इसके बाद क्षेत्र के 70 ग्राम के किसानों को इसका फायदा पहुंचेगा बिजली की अघोषित कटौती से भी मुक्ति मिलेगी सिंचाई में यह प्रयास मिल का पत्थर भी साबित हो सकती है।

लोड की समस्या होगी हाल

सब स्टेशनों के निर्माण होने के बाद लाभान्वित गाँव के किसानों को आगामी 25 सालों तक बिजली के लोड संबंधी समस्याओं से राहत मिल जाएगी एवं खेती के लिए पर्याप्त बिजली मिलने के साथ बोल्टेज की समस्या से मुक्ति मिल जाएगी साथ ही ओवरलोड होने से बार बार तारों के टूटने की समस्या से भी निजात मिलेगी इन गाँवो में घरेलू उपयोग के लिए लिए 24 घंटे बिजली मिल सकेगी।

सिंचाई का बढ़ेगा रखवा

बिजली लाइनों का विस्तार होने से क्षेत्र में रहने वाले किसानों को सिंचाई करने में भी आसानी होगी जिन खेतों तक अभी बिजली की सप्लाई नहीं पहुंची है। वहां भी बिजली लाइन पहुंचने लगेगी तो जो किसान अभी बिजली नहीं होने से सिंचाई नहीं कर पा रहे हैं। उनको भी इसका फायदा मिलेगा तो उत्पादन में वृद्धि होगी इसका फायदा किसानों की आमदनी भी बढ़ेगी। एक साथ मिली है। उल्लेखनीय है कि पूर्व में सम्पूर्ण शहर सहित सम्पूर्ण तहसील क्षेत्र में विधुत सप्लाई के लिए एक ही सबस्टेशन हुआ करता था। जिससे शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली सप्लाई में किसानों एवं घरेलू उपभोक्ताओं को परेशानियो का सामना करना पड़ता था। प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बाद स्थानीय भाजपा विधायक एवं पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा ने किसानों को कृषि के लिए समुचित ओर पर्याप्त बिजली की उपलब्धता के लिए पूर्व मे सिरोंज तहसील में छह विधुत सबस्टेशनों का निर्माण कराया था जिनमें छापू, रतनबर्री,जैतपुर,पिपलिया हाट, भौरिया और भैरों बाबा शामिल हैं। शहरी क्षेत्र को एकसाथ तीन सब स्टेशनों की सौगात देने पर मुख्यमंत्री विधायक के प्रति भाजपा कार्यकर्ताओं तथा किसानों में भी हर्ष का माहौल है ।

पिछले 10 सालों में ओस ने कई बार मैच का रुख बदला

वर्ल्डकप के 10 वेन्यू में से 6 में ओस ने पिछले 10 साल में बड़ा रोल प्ले किया है। ये वेन्यू मुंबई, अहमदाबाद, धर्मशाला, हैदराबाद, बेंगलुरु और कोलकाता हैं। ओस दिल्ली, लखनऊ और चेन्नई में भी गिरती है लेकिन यहां की पिचें काफी धीमी हैं लिहाजा ओस का असर कुछ हद तक न्यूट्रलाइज हो जाता है। पुणे में इन 10 सालों में ओस का नतीजे पर खास असर दिखा है...

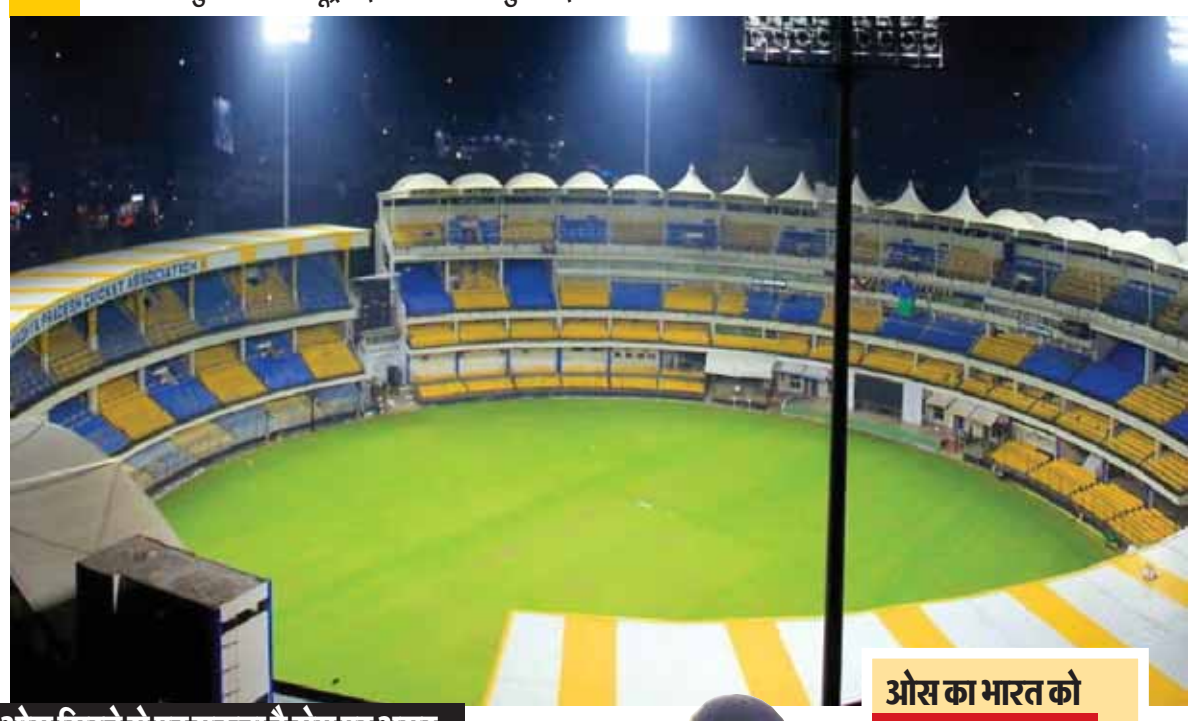

ओस गिरना कब शुरू होती है?

भारत के ज्यादातर शहरों में रात 9 बजे के बाद ओस गिरना शुरू हो जाती है। ठंड के मौसम में ओस का असर रात 7.30 बजे के बाद ही दिखने लग जाता है। वर्ल्डकप के दौरान ग्राउंड पर ओस का असर कम करने के लिए एंटी-ड्यू स्प्रे का इस्तेमाल होगा। ओस का असर कम करने के लिए आईसीसी ने स्टेडियम में केमिकल का छिड़काव करने के निर्देश दिए हैं, लेकिन इन केमिकल का असर भारत में ओस पर ज्यादा नहीं पड़ता। आईपीएल के दौरान भी एंटी-ड्यू स्प्रे का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन तब भी ओस पर कुछ खास इफेक्ट नहीं होता और चेज करने वाली टीमों को फायदा होता है।

डे-नाइट मैचों में ओस बदल देती है मैच का रुख

वनडे वर्ल्डकप इस बार भारत में होने जा रहा है। आम तौर पर भारत की पिचें स्पिनर्स के लिए मुफीद होती हैं। हालांकि, डे-नाइट मैचों के दौरान ओस ज्यादा गिरने पर स्थिति बदल जाती है। फिर स्पिनर्स बेअसर हो जाते हैं। मुश्किलें फास्ट बॉलर को भी आने लगती हैं। इससे टारगेट का पीछा करने वाली टीम की स्थिति बेहतर हो जाती है। वर्ल्डकप 5 अक्टूबर से शुरू होकर 19 नवंबर तक चलेगा। इन महीनों में भारत के ज्यादातर शहरों में ओस गिरती है। आशंका है कि यह वर्ल्डकप टॉस जीतो, पहले फील्डिंग करो और मैच जीतो वाला टूर्नामेंट बन सकता है। हमने पिछले 10 साल में भारत में हुए डे-नाइट मैचों के स्टैट्स के आधार यह जानने की कोशिश की है कि किन शहरों में ओस का रोल ज्यादा बड़ा होगा।

हैदराबाद के स्टेडियम में भी चेज फायदेमंद

राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में 3 ही वर्ल्डकप मैच होंगे, लेकिन यहां भी ओस का असर रहेगा। पिछले 10 साल में यहां 3 वनडे हुए, 2 बार चेजिंग टीम और एक बार पहले बैटिंग करने वाली टीम को जीत मिली। आईपीएल में 57 फीसदी चेज करने वाली टीमों ने ही जीते। न्यूजीलैंड-पाकिस्तान के बीच वॉर्म-अप मैच में भी ओस का असर दिखा, जहां कीवी टीम ने 346 का टारगेट 44वें ओवर में ही हासिल कर लिया। इसलिए इस बार हैदराबाद का स्टेडियम भी वर्ल्ड मैच के लिए खास होने वाला है।

ओस गिरने से पड़ सकता है गेम पर असर

डे-नाइट मैचों में टॉस जीतने पर कप्तान अक्सर पहले गेंदबाजी चुनते हैं। कारण पूछे जाने पर कहते हैं कि ड्यू फैक्टर से उन्होंने चेज करना चुना। दरअसल, ओस गिरने से क्रिकेट की आउटफील्ड और पिच गीली हो जाती है। ऐसे में बैटर के शॉट खेलने पर गेंद घास में रोल होते हुए जाती है। इससे गेंद पर पानी लगता है और उस पर फिसलन बढ़ जाती है। गीली बॉल पर गेंदबाज ठीक से पकड़ नहीं बना पाता और गेंद हाथ से फिसलना शुरू कर देती है। इससे स्पिनर्स गेंद को टर्न नहीं करा पाते और फील्डर्स भी गेंद को आसानी से नहीं पकड़ पाते। इससे बैटर्स हावी हो जाते हैं और रन स्कोरिंग आसान हो जाती है। इस तरह टीम को फायदा होता है।

जब ओस बनी थी भारत की हार का कारण

2016 के टी-20 वर्ल्डकप में भारत-वेस्टइंडीज के बीच मुंबई में सेमीफाइनल हुआ। भारत ने पहले बैटिंग की और 20 ओवर में 192 रन बनाए। वेस्टइंडीज की पारी रात 9 बजे हुई, तब तक ओस आनी शुरू हो गई थी। बुमराह, रवि अश्विन, रवींद्र व आशीष नेहरा जैसे गेंदबाज भी गेंद पर पकड़ नहीं बना सके। जिस कारण भारत 7 विकेट से मैच हार गया। तो 2021 के टी-20 वर्ल्डकप में भारत और पाकिस्तान के मैच में भारत ने पहले बैटिंग की और 7 विकेट पर 151 रन बनाए। पाकिस्तानी पारी शुरू होने के दौरान ओस आ गई, जिससे पिच बैटिंग के लिए बहुत ही आसान हो गई। पाकिस्तानी ओपनर्स ने इसका फायदा उठाया और 18वें ओवर में ही अपनी टीम को भारत को खिलाफ किसी भी वर्ल्डकप में पहली जीत दिला दी। वहीं 2022 के टी-20 वर्ल्डकप में भारत और इंग्लैंड एडिलेड के मैदान पर सेमीफाइनल में भिड़े। भारत ने पहले बैटिंग करते हुए 6 विकेट पर 168 रन बनाए। इस बार फिर दूसरी पारी में ओस गिरी। पिच बैटिंग के लिए आसान हो गई और इंग्लैंड ने 169 रन का टारगेट 16 ओवर में ही हासिल कर लिया। भारतीय गेंदबाज एक विकेट भी नहीं निकाल सके।

ओस का भारत को फायदा-नुकसान

2011 वनडे वर्ल्ड का फाइनल याद कीजिए। श्रीलंका ने भारत को जीत के लिए 275 रन का टारगेट दिया था। भारतीय टीम ने जवाब में दो विकेट 31 रन के स्कोर पर गंवा दिए थे। तीसरा विकेट 114 रन के स्कोर पर गिरा। इसके बाद गौतम गंभीर और कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने बेहतरीन बल्लेबाजी की और भारत मैच जीत गया। गंभीर और धोनी की मेहनत को ओस ने भी सपोर्ट किया था। भारत की आधी पारी बीतते-बीतते ओस गिरने लगी थी।

मुंबई का स्टेडियम चेज के लिए फेमस

वानखेड़े स्टेडियम में पिछले 10 साल में 4 डे-नाइट वनडे खेले गए। 3 बार चेजिंग टीम और केवल एक बार पहले बैटिंग करने वाली टीम को जीत मिली। ओस यहां भी मुश्किलें पैदा करेगी। पहले बैटिंग में एकमात्र मैच को भी जीतने के लिए साउथ अफ्रीका को 438 रन का स्कोर खड़ा करना पड़ा था। यहां स्पिनर्स के लिए कुछ खास नहीं बचता हैं।

लखनऊ में स्पिनर्स को मदद, पहले बैटिंग करना फायदेमंद

इकाना स्टेडियम की पिच भी स्पिनर्स के लिए फायदेमंद है। यहां 10 साल में 4 वनडे हुए, इनमें 50 फीसदी विकेट स्पिनर्स को मिले। 2 बार पहले बैटिंग और 2 बार ही चेजिंग टीमों को जीत मिली। आईपीएल में यहां 67 फीसदी मुकाबले पहले बैटिंग करने वाली टीमों ने ही जीते। लखनऊ पहली बार किसी आईसीसी इवेंट की मेजबानी करेगा, यहां कुल 5 मैच होंगे। वहीं अरुण जेटली स्टेडियम अपनी धीमी पिच और लो-स्कोरिंग मुकाबलों के लिए मशहूर है। दिल्ली में ओस तो बहुत ज्यादा गिरती है, लेकिन खेल पर इसका असर उतना नहीं होता है। 10 साल में यहां 5 मैच हुए और 4 बार पहले बैटिंग करने वाली टीमों को जीत मिली।

19वां एशियन गेम्स का 11वां दिन

भारत ने आर्चरी मिक्स्ड टीम कंपाउंड इवेंट में गोल्ड जीता

हांगझोउ, एजेंसी

19वें एशियन गेम्स के 11वें दिन भारत ने आर्चरी मिक्स्ड टीम कंपाउंड इवेंट में गोल्ड मेडल जीत लिया है। गोल्ड मेडल मैच में ओजस प्रवीण और ज्योति सुरेखा की भारतीय जोड़ी ने कोरिया की जोड़ी को 159-158 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इससे पहले, रेस वॉक 35 केएम में भारतीय मिक्स्ड टीम ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। रेस वॉक 35 केएम में राम बाबू और मंजू रानी की भारतीय जोड़ी तीसरे स्थान पर रही। इवेंट का गोल्ड चीन और सिल्वर मेडल जापान ने जीता। भारत अपने ऑलटाइम बेस्ट रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। अभी तक भारत के नाम 16 गोल्ड सहित 71 मेडल चुके हैं। इससे पहले भारत ने जकार्ता में खेले गए एशियन गेम्स 2018 में शानदार प्रदर्शन करते हुए सबसे अधिक 70 पदक जीता था। वहीं इससे पहले तक का बेस्ट परफॉर्मेंस था। भारत के ज्योति सुरेखा, ओजस प्रवीण ने आर्चरी मिक्स्ड टीम कंपाउंड इवेंट में गोल्ड दिलाया।

115 खिलाड़ी दमखम दिखाएंगे: चीन के हांगझोउ में बुधवार को भारत के 115 खिलाड़ी 14 खेलों में दमखम दिखाएंगे, इनमें आर्चरी, एथलेटिक्स, बॉक्सिंग, हॉकी और रेसलिंग शामिल हैं। आज से रेसलिंग के इवेंट स्टार्ट हो रहे हैं, ऐसे में भारत को आज तीन गोल्ड समेत एक दर्जन मेडल मिल सकते हैं। भारतीय स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधु क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। सिंधु ने राउंड ऑफ 16 में इंडोनेशिया की वरदानी पुत्री कुसुमा को 2-0 से हराया।

भारत की तनीषा क्रैस्टो और साई प्रतीक कृष्ण प्रसाद को मिक्स्ड डबल्स राउंड ऑफ 16 मैच में हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी को मलेशिया के तोह ई वेई और चेन तांग जी ने सीधे गेम में 21-18-, 21-18 से हराया। मेंस 87 किग्रा ग्रीकोरोमन सेमीफाइनल में सुनील कुमार ईरान के नासेर अलीजादेह से 1-5 से हार गए। वह अब कांस्य पदक के लिए लड़ेंगे। 8 इवेंट के फाइनल होंगे, आधा दर्जन से अधिक मेडल मिल सकते हैं भारतीय एथलीट्स एथलेटिक्स के 8 इवेंट के फाइनल में हिस्सा लेंगे, इनमें स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा और अविनाश साबले भी शामिल रहेंगे। दोनों से गोल्ड की उम्मीद है।

सचिन बने वर्ल्ड कप के ग्लोबल ब्रांड एम्बेसडर

दुबई, एजेंसी

सचिन तेंदुलकर वनडे वर्ल्ड कप के ग्लोबल ब्रांड एंबेस्डर बनाए गए हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने मंगलवार को उन्हें यह सम्मान दिया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में तेंदुलकर ट्रॉफी लेकर पहुंचेंगे। इसके बाद वर्ल्ड कप का आगाज होगा। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। दोनों टीम 2019 वर्ल्ड कप की फाइनलिस्ट हैं। ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर बनाए जाने के बाद सचिन ने कहा- वर्ल्ड कप का मेरे दिल में खास स्थान रहा है। 1987 में बॉल बॉय से लेकर 6 बार देश का प्रतिनिधित्व करना और 2011 का वर्ल्ड कप जीतना मेरे लिए सबसे गौरवपूर्ण पल रहा। भारत में हो रहे विश्व कप में इतनी टीमें और खिलाड़ी मजबूती से लड़ने वाले हैं। मैं इस टूर्नामेंट को लेकर उत्साहित हूं। मुझे उम्मीद है कि यह एडिशन बच्चों को खेलों में आने और देश का प्रतिनिधित्व करने की प्रेरणा देगा। सचिन 6 वनडे वर्ल्ड कप में टीम इंडिया का हिस्सा रहे।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

ट्रोल्स से कोई परेशानी नहीं होती है: बिपासा

बिपाशा बसु ने हाल ही में प्रेग्नेंसी के बाद अपने बड़ते वजन के लेकर बात की। दरअसल, बेटी के जन्म के बाद से बिपाशा का वजन बढ़ा है, जिसे लेकर उन्हें सोशल मीडिया पर काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है। इंटरव्यू में बिपाशा ने बढते वजन को होने वाली ट्रोलिंग पर बात की है। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें लोगों की इन बातों से कोई भी फर्क नहीं पड़ता है। उन्होंने कहा- 'मैं ट्रोलर्स से यही कहना चाहूंगी कि प्लीज ट्रोल करते रहें। यह बिल्कुल ठीक है, क्योंकि मुझे इससे कोई भी परेशानी नहीं होती है।' करण ने भी ट्रोल्स पर अपनी राय रखी और उन्होंने कहा - जब तक वो झेल रहे हैं, तब तक यह ठीक है। बिपाशा ने बेटी के जन्म के दौरान की खुछ बातें बताई थीं। उन्होंने कहा था कि जब देवी हुई थी तो उसके दिल में दो छेद थे। 3 महीने में ही उसकी सर्जरी हुई थी। लेकिन अब उसकी तबीयत बिल्कुल ठीक है। वह पूरी तरह से स्वस्थ है। लेकिन एक मां होने के नाते वह बहुत डर गई थीं।

मेरे लिए 'देवी' सबसे जरूरी

बिपाशा और करण ने इस बात पर जोर दिया कि इस समय उनकी बेटी उनके लिए सबसे ज्यादा जरूरी है। बिपाशा ने कहा- इस वक्त मेरे लिए देवी सबसे ज्यादा जरूरी हैं। चाहे मेरी आंखें खुली हो या फिर बंद, यह हमेशा उसे ही देखती रहती हैं। जब भी मैं बाहर निकलती हूं, मैं जल्द से जल्द घर वापस भागना चाहती हूं। मैं हमेशा उसके साथ रहना चाहती हूं। मेरे जीवन में अब सब कुछ उसके इर्द-गिर्द घूमता है। हमारे लिए करण तीसरे नंबर पर हैं, मैं दूसरे नंबर पर और देवी हमारे लिए पहले नंबर पर है। बिपाशा और करण ने इस बात पर जोर दिया कि इस समय उनकी बेटी उनके लिए सबसे ज्यादा जरूरी है।

मेट्रो बाजार

नईदिल्ली, एजेंसी

56 हजार तक आ सकता है सोना, चांदी के भी गिरेंगे दाम

सर्राफा बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 24 कैरेट सोने के दाम 1,142 रुपए गिरकर 56,577 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गए हैं। चांदी की कीमत में भी 4000 रुपए से ज्यादा की गिरावट है। ये 4490 रुपए फिसलकर 67,113 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। इससे पहले सोमवार को ये 71,603 रुपए पर थी। एक्सपर्ट्स के अनुसार आने वाले दिनों में सोना-चांदी और ज्यादा सस्ते हो सकते हैं। सितंबर में सोना 1,593 और चांदी 2,909 रुपए टूटी सितंबर शुरुआत यानी 1 सितंबर को सोना 59,312 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो अब 57,719 रुपए पर आ गया है। यानी इसकी कीमत में इस महीने अब तक 1,593 रुपए की गिरावट देखने को मिली। वहीं चांदी की बात करें तो इसकी कीमत 2,909 रुपए कम हुई। ये 74,512 रुपए प्रति किलोग्राम से गिरकर 30 सितंबर को 71,603 रुपए पर आ गई थी। अभी डॉलर इंडेक्स 106.82 पर पहुंच गया है। ये इसका 10 महीने का हाई है, इसी कारण अभी सोने में कमजोरी है। इसके अलावा 1 डॉलर की कीमत भी 83 रुपए के ऊपर पहुंच गई है। इससे सोने पर दबाव बना हुआ है। अनुज गुप्ता के अनुसार आने वाले दिनों में भी ये गिरावट जारी रह सकती है और सोना 56 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक आ सकता है।

महंगे हुए हीरो मोटोकॉर्प के टू-व्हीलर

मुंबई,एजेंसी। हीरो मोटोकॉर्प के टू-व्हीलर खरीदने के लिए आज यानी 3 अक्टूबर 2023 से आपको ज्यादा कीमत चुकानी होगी। कंपनी ने कुछ मॉडल्स की कीमत में 1 फीसदी की बढ़ोतरी की है। लगातार बढ़ती इनपुट कॉस्ट को इस बढ़ोतरी की प्रमुख वजह बताया गया है। हीरो ने साल में तीसरी बार अपनी गाड़ियों की कीमत में बढ़ोतरी की है। इससे पहले मार्च में नए एमिशन नॉर्म्स के कारण मोटरसाइकिल और स्कूटर के अपने चुनिंदा मॉडलों की कीमतों में 2 फीसदी की बढ़ोतरी की गई थी। इसके बाद जुलाई में गाड़ियों के दाम 1.5त्न बढ़ाए गए थे। हीरो मोटोकॉर्प ने पिछले महीने कहा था कि कीमतें अलग-अलग मॉडल और मार्केट के आधार पर तय की जाएंगी। मोटरसाइकिल और स्कूटरों की कीमत में बढ़ोत्तरी कंपनी की ओर से समय-समय की जा रही मूल्य समीक्षा का हिस्सा है। कंपनी ने कहा कि वह ग्राहकों पर इसका असर कम करने के लिए फाइनेंस के नए ऑफर जारी करेगी। हीरो मोटोकॉर्प ने करिज्मा की कीमत बढ़ाई-एक अक्टूबर से 7000 मंहगी मिलेगी बाइक, 32.8 के माइलेज का दावा किया है। हीरो मोटोकॉर्प ने अपनी प्रीमियम स्पोर्ट्स बाइक करिज्मा एम्सएमआर की कीमत बढ़ाने की घोषणा की है। कंपनी ने बताया कि हीरो करिज्मा की कीमतों में 7 हजार रुपए की बढ़ोतरी की गई है।

श्रीदेवी से मेरी दूसरी शादी शिर्डी में हुई थी: बोनी कपूर

बोनी कपूर ने उन खबरों पर पहली बार अपना रिएक्शन दिया है जिनमें कहा गया था कि श्रीदेवी ने जान्हवी कपूर को शादी से पहले जन्म दिया था। बोनी कपूर ने कहा कि ये बात झूठी है। जान्हवी का जन्म उनकी और श्रीदेवी की शादी के बाद ही हुआ था। एक इंटरव्यू में बोनी कपूर ने अपनी पर्सनल लाइफ पर बात की। उन्होंने कहा, श्रीदेवी से मेरी दूसरी शादी शिर्डी में हुई थी। हमारी शादी 2 जून 1996 को हुई। इस सीक्रेट शादी के सात महीने बाद श्रीदेवी की प्रेग्नेंसी साफ दिखने लगी थी तो हमारे पास कोई चारा नहीं था। दुनिया को दिखाने के लिए हमने जनवरी 1997 में फिर से शादी की। इसी वजह से लोगों को लगता है कि श्रीदेवी शादी से पहले प्रेग्नेंट थीं और जान्हवी का जन्म हमारी शादी से पहले हो गया था जबकि ऐसा नहीं था। बोनी कपूर ने ये भी बताया कि उनका पूरा परिवार बेहद धार्मिक है। जान्हवी हर तीन महीने में तिरुपति जाती हैं।

शर्मिला बोली- ड्राइवर ने हटाए थे बिकिनी वाले होर्डिंग्स

वेटरन एक्ट्रेस शर्मिला टैगोर ने हाल में अपनी सास और भोपाल की बेगम साजिदा सुल्ताना से हुई पहली मुलाकात से जुड़ा किस्सा शेयर किया। शर्मिला ने ट्विंकल खन्ना के चैट शो ट्वीक इंडिया में बताया कि जब उनकी होने वाली सास उनसे पहली बार मिलने आ रही थीं, तब मुंबई में हर तरफ उनके कंट्रोवर्शियल बिकिनी पोस्टर लगे हुए थे। ऐसे में सास के डर से शर्मिला ने अपने ड्राइवर से कहकर सारे पोस्टर रातोंरात हटवाए थे। ट्विंकल खन्ना ने बातचीत के दौरान शर्मिला से सवाल किया था कि बॉम्बे में लगे उनके बिकिनी पोस्टर रहस्यमयी तरीके से अचानक गायब हो गए थे, ये कैसे हुआ था? इसके जवाब में शर्मिला टैगोर ने बताया कि ये उस समय की बात है जब उनकी और नवाब मंसूर अली खान पटौदी की शादी की बातचीत चल रही थी। मंसूर की मां बेगम साजिदा सुल्ताना जब शर्मिला से मिलने मुंबई आने वाली थीं, ठीक उसी समय उनकी फिल्म एन ईवनिंग इन पेरिस का प्रमोशन चल रहा था जिसके सिलसिले में उनके बिकिनी पोस्टर शहर में हर तरफ लगे थे। शर्मिला को डर था कि कहीं उनकी सास वो पोस्टर न देख लें, ऐसे में उन्होंने अपने ड्राइवर से कहकर कामायकल रोड के आसपास के हर पोस्टर हटवाए

शॉट में खुद को ढंककर रखने की दी थी सलाह

फिल्म एन ईवनिंग इन पेरिस से पहले शर्मिला टैगोर ने 1966 में फिल्मफेयर मैगजीन के कवर पेज के लिए बिकिनी फोटोशूट करवाया था। कुछ समय पहले फिल्मफेयर को दिए एक इंटरव्यू में शर्मिला ने बताया था कि उस बिकिनी फोटोशूट के समय उनसे ज्यादा नवाब मंसूर अली खान परेशान थे। शर्मिला ने कहा था, ये मेरी शादी के ठीक पहले की बात है। मुझे याद है जब मैंने अपनी टू-पीस बिकिनी की तस्वीर नवाब साहब को दिखाई तो उन्होंने मुझसे कहा कि क्या मैं इसे लेकर ठीक हूं। उन्होंने मुझे कुछ शॉट में खुद को ढंककर रखने की सलाह दी थी। शर्मिला ने कहा था वो मुझसे ज्यादा परेशान थे, लेकिन मुझे तो उस शूट में कोई झिझक महसूस नहीं हुई थी। आगे उन्होंने कहा था, %जब लोगों ने इस पर बुरी तरह रिएक्ट करना शुरू किया तो में शॉक थी।

विकास किया है विकास करेंगे

लाड़ली बहनों को
बढ़ाकर ₹ 1250 की किश्त का
सिंगल क्लिक से वितरण

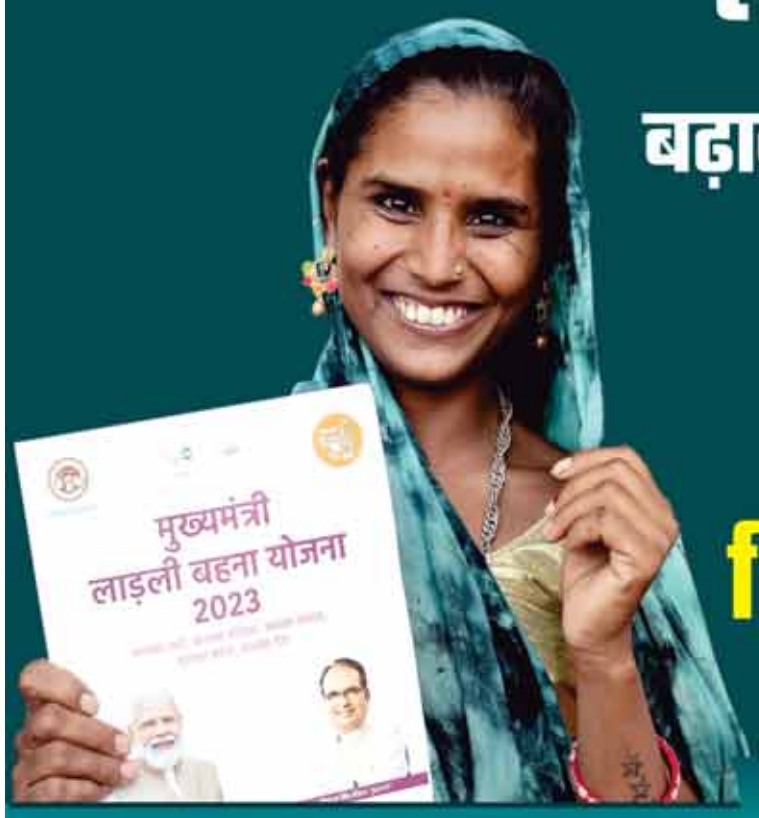

मुख्यमंत्री
शिवराज सिंह चौहान
द्वारा

बुरहानपुर, अपराह्न 12.30 बजे

तथा

ग्लोबल स्किल्स पार्क
जबलपुर, ग्वालियर, सागर एवं रीवा का
शिलान्यास
एवं
9 संभागीय आईटीआई
का लोकार्पण
व
मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना
प्रथम स्टायपेंड वितरण तथा
आईटी पॉलिसी का विमोचन
भोपाल, रात्रि 8:00 बजे

मेडिकल कॉलेज
बालाघाट, धार, मुरैना, भिंड एवं मंडला
तथा
विधि कॉलेज बालाघाट
का भूमिपूजन
बालाघाट, अपराह्न 3:30 बजे

4 अक्टूबर, 2023

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना
- अक्टूबर से बहनों को मिलने लगे ₹ 1250
- बहनों के सम्मान में लागू इस योजना से बहनें बन रहीं सामाजिक, आर्थिक रुप से सशक्त, बच्चों को मिल रहा बेहतर स्वास्थ्य और पोषण, अब तक मिले ₹ 6808 करोड़

मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना
- युवाओं में कौशल विकास के साथ उन्हें रोज़गार से जोड़ने के लिए लागू इस योजना में 8 से 10 हजार रुपये तक स्टायपेंड
- 9 लाख से अधिक युवा पंजीकृत, 74 हजार से अधिक वैकेन्सी हुई क्रिएट, 19 हजार से अधिक प्रतिष्ठान पंजीकृत।

मेडिकल कॉलेज
- मेडिकल कॉलेजों की संख्या वर्ष 2002-03 में 5 से बढ़कर वर्ष 2023 में हुई 30
- चिकित्सा शिक्षा को बढ़ाने के लिए मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में प्रारंभ

ग्लोबल स्किल्स पार्क
- युवाओं के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर की तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण उपलब्ध
- बढ़ रहे रोज़गार और आर्थिक समृद्धि के नए अवसर

D-11135/23

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022